अयोध्या पहुंचे पूर्व सीएम.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हॉरर फिल्म शैली में कदम... 11

वर्ष - 02, अंक - 84 | गाजियाबाद / शनिवार 27 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ऑफीसर कर रहे सम्राट के खिलाफ साजिश

● भरत तिवारी एनकाउंटर पर पूर्व सांसद नागमणि का बड़ा दावा

पटना (एजेंसी)। बिहार में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व सांसद और भाजपा नेता नागमणि ने इस एनकाउंटर को लेकर एक बेहद विवादित और चर्चित बयान दिया है, जिसने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। नागमणि ने मारे गए भरत तिवारी के आपराधिक इतिहास का हवाला देते हुए उसे सूबे का

सम्राट के पक्ष में नागमणि की ताबड़तोड़ बैटिंग

सम्राट चौधरी की तारीफ में नगमणि ने खूब कसीदे गढ़े। उन्होंने कहा, लॉ एंड ऑर्डर को जिस तरह से चुस्त और दुरुस्त करने के लिए इन्होंने (सम्राट चौधरी) कार्रवाई किया। डेवलपमेंट साइड में जो इनका इतने कम दिनों के अंदर में जो प्लानिंग है, उससे हर बिहारी खुश है। लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करने के लिए उन्होंने कहा है कि अगर छोटी लड़कियों के साथ कहीं रेप होता है तो 13वीं को माला पहना दीजिए यानी उसको एनकाउंटर कर दीजिए।

सबसे बड़ा गुंडा और अपराधी करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने बिहार पुलिस के कुछ बड़े अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जानबूझकर सम्राट चौधरी की सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर नागमणि ने कहा, सब ठीक नहीं चल रहा है। सारे पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो गया। ये गलत है। नागमणि ने सम्राट चौधीर को लेकर कहा, कुछ पुलिस ऑफीसर भी सम्राट चौधरी जी के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिक

● 5 सेना, 1 एयरफोर्स का जवान पीओके में हमला किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल

भारत की एयरस्ट्राइक में कई पाकिस्तानी एयरबेस तबाह हुए थे- भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह किए थे। प्राइवेट कंपनी मक्सर के सैटेलाइट ने इन तबाह एयरबेस की फोटोज जारी की थीं। मक्सर ने पाकिस्तान के जिनकी फोटोज जारी की, उनमें सरगोधा, नूर खान, भोलारी और सुक्कुर के एयरबेस थे। फोटोज में साफ देखा जा सकता है कि हमले के पहले और बाद में वहां क्या स्थिति थी। सेना ने 7 मई 2025 की सुबह बताया था कि पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे।

की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3डी वॉल पर साल 2025 के खंड में भी उनके नाम अंकित किए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। भारत सरकार ने कहा था कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई थी।

वेनेजुएला भारी तबाही

अब तक 235 की मौत

● 4300 से ज्यादा घायल, मलबे के ढेर में जिंदगी की तलाश ● सरकार बोली-39,000 लोग लापता,नीचे से आ रहीं आवाजें

कराकस (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रही हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44 फीसदी आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30 फीसदी।

● **मलबे में अभी भी सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका-** वेनेजुएला में अभी भी भूकंप से तबाह हुई बिल्डिंगों के मलबे में सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। आपदा प्रभावित इलाके में अंतरराष्ट्रीय बचाव दल और मानवीय सहायता के पहुंचने के साथ ही आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। भारत ने भूकंप प्रभावित वेनेजुएला की मदद के लिए ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि भारतीय वायुसेना के दो विमान फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से ज्यादा राहत सामग्री लेकर वेनेजुएला के लिए रवाना हो गए हैं।

● **राहत अभियान में जुटी टीमें-** घायलों को खून से लथपथ हालत में मलबे से बाहर निकाला गया। इनमें एक महिला सीमेंट के भारी स्लैब के नीचे फंसी हुई दिखाई दी और मलबे से उसके एक पैर का हिस्सा ही दिखाई दे रहा था, बचाव दल ने काफी प्रयास के बाद उसे जीवित बाहर निकाल लिया। एक महिला अपने तीन और दस वर्षीय बच्चों के शवों को कंबलों में लपेटकर ले जाते देख फूट-फूटकर रो पड़ी और बेसुध होकर गिर गई।

चंदा चोरी की 'भेंट' चढ़ गए चंपत राय

● राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफा, अनिल मिश्रा की भी छुट्टी

राम मंदिर केस में अब तक 8 लोगों पर एफआईआर दर्ज

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने के तीन दिन बाद ही दो बड़े इस्तीफे हो गए हैं। श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य अनिल मिश्रा ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया है। सूत्रों के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद ने चंपत राय और अनिल मिश्रा को ट्रस्ट से इस्तीफा देने की सलाह दी है।

माना जा रहा है कि दोनों ने अपना इस्तीफा ट्रस्ट को सौंप दिया है, जिस पर आगे होने वाली ट्रस्ट की बैठक में विचार होगा। राम मंदिर ट्रस्ट ही इस पर फैसला लेगा, क्योंकि ट्रस्ट एक ऑटोनोमस बॉडी है। आपको बता दें कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को ही एसआईटी ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। इसके बाद गुरुवार को मामले में केस दर्ज किया गया और 8 लोगों को आरोपी बनाया गया। आरोपियों में चंपत राय के करीबी और ड्राइवर टिन्नू यादव का नाम भी शामिल हैं। अन्य आरोपियों के नाम सुभाष श्रीवास्तव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, करुणेश पांडे, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला और रमाशंकर मिश्र हैं। चंपत राय के इस्तीफे के कयास उसी समय लगाए जाने लगे थे, जब सोमवार को एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

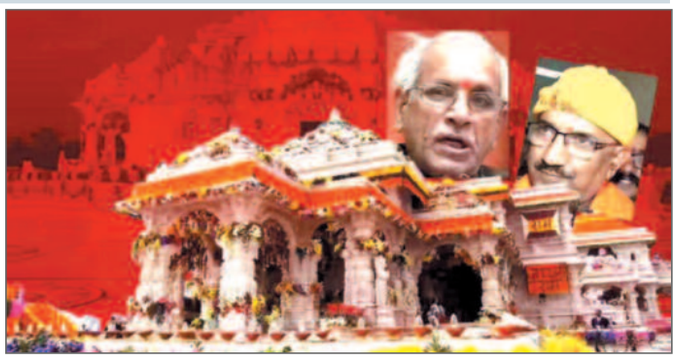

मैंने कहा था-कार्रवाई होगी और कार्रवाई शुरू हो गई

राम मंदिर मामले में बोले सीएम योगी, कांग्रेस पर जमकर बरसे

देवरिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाया है। अयोध्या के दौर पर आए अरविंद केजरीवल ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की जांच करने वाली एसआईटी पर सवाल उठाए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि, जब इन्हें कुछ नहीं मिला तो रामभक्तों पर आक्षेप कर रहे हैं,अयोध्या धाम को बदनाम कर रहे हैं। सीएम योगी ने देवरिया में एक जनसभा में यह बात कही। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, एक दिल्ली से सज्जन वहां आए हैं, अयोध्या। दिल्ली की जनता ने उन्हें 15 वर्ष अवसर दिया,लेकिन दिल्ली को उन्होंने बर्बादी,भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं दिया। सीएम योगी ने कहा कि, मैंने 19 जून को अयोध्या के दौरे पर कहा था, जन आस्था के साथ खिलवाड़ न हो। मैंने कहा था कि एसआईटी की रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी। एसआइटी रिपोर्ट आई, कार्रवाई प्रारंभ हो गई है।

● टीम नितिन नवीन तैयार! जल्द होगा ऐलान

केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल के साथ शुरुआत

बीजेपी संगठन में बड़े बदलाव के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फेरबदल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक बदलावों के साथ ही किया जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। इस बारे में बीजेपी सूत्रों ने पहले ही संकेत दिए थे कि संगठन में बड़े बदलाव जून के आखिर तक हो सकते हैं, साथ ही ये बदलाव केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से जुड़े हो सकते हैं। गुरुवार को नितिन नबीन की कुछ राज्य मंत्रियों के साथ बातचीत के बाद फेरबदल की अटकलें और तेज हो गईं। पार्टी के लोगों का मानना है कि संगठन में फेरबदल, गुरुवार को घोषित की गई उत्तर प्रदेश बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब होगी।

पीडीए की काट पर रहा फोकस

उत्तर प्रदेश की नई टीम में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जातियों के प्रतिनिधित्व पर ध्यान गया है। इसे समाजवादी पार्टी की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समीकरण का जवाब माना जा रहा है। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय संगठन में भी इसी तरह युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। क्योंकि पार्टी युवाओं और महिलाओं के अलावा अहम जाति समूहों में अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। इधर, केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें उस समय और तेज हो गईं जब बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ बैठक की। बदलाव की प्रक्रिया आखिरी दौर में है।

मोदी मंत्रिमंडल में बढ़ सकते हैं महाराष्ट्र से मंत्री!

ऑपरेशन टाइगर के बाद श्रीकांत शिंदे समेत चर्चा में पांच नाम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सफल ऑपरेशन टाइगर का असर केंद्रीय मंत्रिमंडल के फेरबदल में देखने को मिल सकता है। उद्धव ठाकरे के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के साथ आने पार्टी शिवसेना की ताकत बढ़ गई है। चर्चा है कि एक कैबिनेट बर्थ शिवसेना को मिल सकती है। मंत्री पद के लिए शिंदे के बेटे डॉ. श्रीकांत शिंदे के साथ धाराशिव से सांसद ओम राजे निंबालकर का नाम भी चल रहा है। अगर ऐसा होता है तो सुनेत्रा पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से भी कोई मंत्री बन सकती है। जब पीएम नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी तब प्रफुल्ल पटेल का नाम सामने आया था लेकिन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ऑफर किए जाने पर बात अटक गई थी। अब देखना है कि मंत्रिमंडल में जगह मिलती है या फिर नहीं।

● **बीजेपी के चार और सहयोगी के दो मंत्री-** अभी महाराष्ट्र से कुल छह नेता केंद्र में मंत्री हैं। इनमें चार मंत्री बीजेपी और दो एनडीए के सहयोगियों के पास हैं। इनमें एक मंत्री पद एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एक मंत्री पर आरपीआई-ए के पास है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का फेरबदल 28 या 29 जून को होने की चर्चा है। महाराष्ट्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल के मंत्री बनने की संभावना है। वह अभी राज्यसभा के सदस्य है और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष है। अगर वे मंत्री नहीं बनते हैं तो दूसरी नाम सुनील तटकरे का है। संजय दीना पाटिल का भी नाम चर्चा में है।

इस्लाम अपना लिया तो नहीं मिलेगा ओबीसी का दर्जा

आरक्षण का लाभ भी होगा खत्म, हाईकोर्ट का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में धर्म परिवर्तन और आरक्षण को लेकर एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस आदेश को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर

दिया है, जिसके तहत हिंदू धर्म की पिछड़ी, अति-पिछड़ी या अनुसूचित जाति से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को बैकवर्ड क्लास मुस्लिम का दर्जा और आरक्षण देने की बात कही गई थी। जस्टिस जी आर स्वामीनाथन और जस्टिस पी बी बालाजी की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी व्यक्ति इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुस्लिम होता है। पीठ ने कहा, कोई भी शख्स इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुसलमान रह जाता है, बस बात यहीं खत्म। वह बैकवर्ड क्लास मुस्लिम के दर्जे या आरक्षण का दावा कतई नहीं कर सकता। यह मामला थूथुकुडी जिले के रहने वाले समीर अहमद की याचिका के बाद सामने आया। पहले उसका नाम परमशिवम था।

परमशिवम का जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था। 2015 में उसने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नाम समीर अहमद रख लिया और मुस्लिम रीति-रिवाजों से शादी की। धर्म परिवर्तन के बाद समीर ने तहसीलदार के पास मुस्लिम लेब्बाई जाति का कम्युनिटी सर्टिफिकेट पाने के लिए आवेदन किया। इस जाति को तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों का दर्जा प्राप्त है।

सिया के इशारे पर प्रेमी चेतन ने केतन को खाई में धकेला

पहले दोनों ने एक-दूसरे पर आरोप मढ़े; फिर जुर्म स्वीकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के लोहागढ़ किले में रियल एस्टेट कारोबारी केतन विशाल अग्रवाल की हत्या मामले में एक एक कर साजिश की परतें लगातार खुलती जा रही हैं। जांच से पता चला कि केतन की मंगेतर सिया गोयल से संकेत मिलने पर उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने केतन को लोहागढ़ किले से धक्का दे दिया था। यही नहीं सिया और चेतन ने वारदात को अंजाम देने से पहले हत्या करने का तरीका भी सर्च किया था। जांच से यह भी पता चला है कि केतन की हत्या से एक दिन पहले दोनों एक कैफे में मिले थे। पुणे के कैफे से मिले सीसीटीवी फुटेज में सिया और चेतन चौधरी को 17 जून को मिलते देखा गया है।

● **दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया -** पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या एक घंटे तक चली यह मुलाकात साजिश से जुड़ी थी।जांच में शामिल पुलिस अधिकारी ने कहा, आमने सामने की पूछताछ में दोनों ने एक-दूसरे पर दोष मढ़ने की कोशिश की, हालांकि आखिरकार सिया ने मान लिया कि उसने ही साजिश रची थी और चेतन भी उस साजिश में शामिल था। अधिकारी ने बताया कि चेतन ने शुरू में दावा किया कि वह किले में मौजूद तो था, लेकिन उस जगह नहीं गया जहां केतन को नीचे धकेला गया था, और उसे ठीक-ठीक नहीं पता था कि क्या हुआ था। हालांकि यह साफ था कि वह झूठ बोल रहा था।

आती हुई मौत से अनजान था केतन- प्रेट्र के अनुसार साजिश के तहत सिया को बैठकर संकेत दिया, जिसके बाद चेतन आया और केतन को धक्का दिया। केतन को इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि उनकी मौत होने वाली है। इससे पहले वह कुछ समझ पाता उसे खाई में धकेल दिया गया। पुलिस ने दोनों से पूछा कि बेगुनाह की हत्या करने के बजाय वे घर से भाग क्यों नहीं गए। इस पर उनका कहना था कि इससे उनके परिवारों की बदनामी होती। सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेजे गए दो आरोपियों से पूछताछ की गई।

वाराणसी से स्पाइसजेट की सभी उड़ानें बंद : महंगे एटीएफ से परिचालन ठप

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी हवाई अड्डे से स्पाइसजेट की सभी नियमित उड़ानें अनिश्चितकाल के लिए बंद हो गई हैं। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की लगातार बढ़ती कीमतों और परिचालन लागत में वृद्धि के कारण एयरलाइन ने फैसला लिया है। मुंबई जाने वाली स्पाइसजेट की अंतिम उड़ान के रवाना होने के साथ ही बनारस से कंपनी की सेवाएं समाप्त हुई। कंपनी ने पहले 25 जून को अंतिम उड़ान संचालित करने की घोषणा की थी। स्पाइसजेट, जो अब तक वाराणसी से करीब 14-15 उड़ानें संचालित कर रही थी, ने अपने सभी विमानों को दिल्ली और मुंबई के हैंगर पर लगा दिया है। महंगी हवाई यात्रा के कारण यात्रियों की संख्या में भी गिरावट देखी जा रही है, जिसने फैसले में भी भूमिका निभाई। इससे पहले स्पाइसजेट दिल्ली, मुंबई और पुणे जैसे कई प्रमुख शहरों के लिए सेवाएं दे रही थी। फिलहाल वाराणसी हवाई अड्डे से इंडिगो, एयर इंडिया और आकासा एयर अपनी उड़ानें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए संचालित कर रही हैं। हालांकि, पिछले दो महीनों में एटीएफ की कीमतों में हुई तेज बढ़ोतरी ने सभी एयरलाइंस की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है, जिसका असर पूरे विमानन क्षेत्र पर पड़ रहा है। अब अन्य विमान कंपनियों के आगामी फैसलों और उनकी सेवाओं पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

ईडी की जांच तेज, पूर्व सीएम विजयन की बेटी को तीसरी बार समन की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मासप्पड़ी (मासिक भुगतान) मामले में जांच तेज की है। एजेंसी जांच रही है कि क्या कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) को 2017-2020 के दौरान एलडीएफ सरकार से विशेष लाभ मिला, इसके बदले मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीणा विजयन की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को भुगतान हुआ। ईडी इस क्विड प्रो क्वो (लेन-देन के बदले लाभ) मान रहा है। वीणा विजयन से हाल ही में कोच्चि ईडी कार्यालय में 10 घंटे से अधिक पूछताछ हुई, यह उनकी दूसरी पेशी थी। सूत्रों के अनुसार, उन्हें जल्द ही तीसरी बार बुलाया जा सकता है। केरल हाईकोर्ट की अनुमति से नया समन जारी हुआ। वह अपने पति, मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास के साथ ईडी कार्यालय पहुंची थीं। यह पूछताछ तब हुई, जब ईडी को कोच्चि कंपनी कोर्ट से गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) की चार्जशीट के 134 संलग्न दस्तावेज मिले। सीएमआरएल के विरोध के बावजूद अदालत ने आपत्ति खारिज की, और ईडी अब इन्हीं दस्तावेजों पर जांच बढ़ा रहा है। ईडी ने वीणा विजयन से एक्सालॉजिक-सीएमआरएल वित्तीय लेन-देन और सीएमआरएल को मिले कथित विशेष लाभों पर सवाल किए। वीणा विजयन ने कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट को वैध बताया, पर ईडी उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है। यह मामला आयकर निपटान आयोग की उन टिप्पणियों से उपजा है, जिनमें कहा गया था कि सीएमआरएल ने 2017-2020 के बीच एक्सालॉजिक को कंसल्टेंसी शुल्क के नाम पर 1.72 करोड़ रुपये दिए, बिना किसी कथित सेवा के। इन्हीं निष्कर्षों पर एसएफआईओ की जांच के बाद, ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया।

शंकराचार्य की कालजयी सीख : स्वयं को जानकर पाएं आंतरिक शांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी तकदीर बदलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं? आदि शंकराचार्य की एक कालजयी सीख हमें स्वयं को जानने की अहमियत बताती है। उन्होंने कहा था, स्वयं को जानना ही जीवन का सबसे बड़ा सत्य है, इसके बिना सब कुछ व्यर्थ है। इसका सीधा अर्थ है कि बाहरी वस्तुओं और पहचानों (जैसे नाम, काम, या सुख-सुविधाएं) के पीछे भागने के बजाय, हमें अपने भीतर मौजूद असली शक्ति को पहचानना होगा। हम केवल एक शरीर नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं को महसूस करने वाली उससे कहीं बड़ी सत्ता हैं। अक्सर हम बाहरी, क्षणभंगुर चीजों में खुशी तलाशते हैं, जो स्थायी नहीं होतीं। इसी कारण भय और चिंता बनी रहती है। शंकराचार्य का दर्शन सिखाता है कि जब तक हम स्वयं को नहीं पहचानते, तब तक बाहरी दुनिया से सच्ची और स्थायी शांति नहीं मिल सकती। स्वयं को जानने से मन शांत और स्थिर होता है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना, दूसरों से तुलना करना या भविष्य का डर सताना कम हो जाता है। यह समझ विकसित होती है कि सच्ची खुशी और संतोष कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे अपने भीतर ही विद्यमान है। यह सीख हमें आंतरिक शांति और एक बेहतर जीवन की ओर ले जाती है, जहाँ हम अपने असली स्वरूप को पहचानकर वास्तविक प्रसन्नता प्राप्त कर सकते हैं।

हेमा मालिनी का अद्वितीय घर : धर्मेंद्र की यादों से सजा सपनों का आशियाना

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी का मुंबई में स्थित 54 साल पुराना भव्य बंगला उनके जीवन की यात्रा का प्रतीक है, इस उन्होंने अपने पति धर्मेंद्र की अनमोल यादों से सजाया है। हाल ही में उनकी बेटी ईशा देओल ने इस घर का टूर दिया, जिससे इसके हर कोने की खासियत उजागर हुई। यह घर सिर्फ एक निवास स्थान नहीं, बल्कि हेमा मालिनी के मायानगरी में सपनों की शुरुआत, उनके नृत्य, स्टारडम और धर्मेंद्र संग उनकी प्रेम कहानी का साक्षी रहा है।

यह तीन मंजिला बंगला संस्कृति, कला और धर्मेंद्र की खूबसूरत यादों का संगम है। घर में क्लासिकल डांस की मुद्राओं को दर्शाती पेंटिंग्स हैं, साथ ही हेमा, ईशा और अहाना की परफॉर्मेंस की तस्वीरें दीवारों पर सजी हैं। नृत्य पर आधारित किताबें और नटराज की मूर्ति भी रखी है। एक विशेष डांस रिहर्सल रूम है जहां करीब 30 लोग एक साथ नृत्य कर सकते हैं और ध्यान भी कर सकते हैं। इस रूम में धर्मेंद्र की मुस्कुराती हुई एक बड़ी तस्वीर लगी है, जिसे देखकर ईशा भावुक हो जाती हैं। ऑफिस रूम हेमा मालिनी की पति और बच्चों संग पारिवारिक तस्वीरों से भरा है, जिसमें धर्मेंद्र-हेमा की एक थ्रेड आर्ट पेंटिंग भी खास है। बंगले में दो किचन हैं क्योंकि हेमा मालिनी मांसाहारी भोजन नहीं करतीं, इसलिए उनका किचन और कुक अलग हैं। सोफे पर प्रशंसकों द्वारा दिए गए पर्सनलाइज्ड कुशन रखे हैं, जिन पर हेमा और धर्मेंद्र की तस्वीरें हैं। ईशा ने बताया कि इस बंगले का सालों तक कोई नाम नहीं था, जिसे आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने अद्वितीय नाम दिया। घर के हर फ्लोर पर सदस्यों की अलग जगहें हैं, जिसमें ईशा और अहाना के फ्लोर का इंटीरियर भी अलग है।

टीएमसी से भाजपा में आए त्रिवेदी ने संभाला बांग्लादेश के उच्चायुक्त का पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व कद्दावर नेता और बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर के रूप में अपना पदभार संभाला। पद संभालते ही उन्होंने बांग्लादेश की जनता के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात की घोषणा की है - लंबे समय से निलंबित सामान्य यात्रा वीजा (ट्रैवल वीजा) को फिर से शुरू किया जाएगा। यह घोषणा ढाका में भारतीय वीजा केंद्र में उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति के दौरान की गई, जहां उन्होंने बांग्लादेशी नागरिकों को भारत आने के लिए फिर से यात्रा वीजा के लिए आवेदन करने की अनुमति मिलने की जानकारी दी।

76 वर्षीय दिनेश त्रिवेदी को 27 अप्रैल को बांग्लादेश में नियुक्त किया गया था, और वह इस प्रतिष्ठित राजनयिक पद पर कार्यभार संभालने वाले पहले राजनेता बन गए हैं। उनके पदभार ग्रहण करने से एक दिन पहले, नई दिल्ली में उन्हें गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक ज्ञापन के माध्यम से औपचारिक कार्यों के लिए केंद्रीय मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया था, जो उनके महत्व को दर्शाता है। गुरुवार को, त्रिवेदी ने बंगभवन प्रेसिडेंशियल पैलेस में बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपने क्रेडेंशियल्स सौंपे, जिसके बाद उनके राजनयिक कार्यों की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया।

लगभग दो साल पहले, मोहम्मद यूनुस के अंतरिम शासन के दौरान बांग्लादेश में बिगड़ती सुरक्षा स्थितियों और नई दिल्ली के साथ संबंधों में आई खटास के कारण ट्रैवल वीजा रोक दिए गए थे। दिनेश त्रिवेदी की घोषणा से बांग्लादेशी नागरिकों में काफी खुशी है, क्योंकि अब वे पर्यटन, चिकित्सा उपचार, सरकारी और व्यावसायिक कार्यों, और तीसरे देशों की यात्रा के लिए भारत आ सकेंगे। उन्होंने बताया कि वीजा आवेदन 28 जून से जमा किए जा सकते हैं और ये ढाका, राजशाही, चटगांव, सिलहट और खुलना सहित सभी पांच केंद्रों से जारी किए जाएंगे। त्रिवेदी ने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में इस प्रक्रिया को और बढ़ाया जाएगा और मानवीय कारणों से जारी किए जाने वाले तत्काल चिकित्सा वीजा पहले की तरह जारी रहेंगे। दिनेश त्रिवेदी ने करियर राजनयिक प्रणय कुमार वर्मा का स्थान लिया है। वह 12 जून को बांग्लादेश के पश्चिमी बेनापोल-पेट्रापोल लैंड बॉर्डर के रास्ते ढाका पहुंचे थे। उनका यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और जनता के स्तर पर संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच मजबूत सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं, और यात्रा वीजा की बहाली से दोनों देशों के लोगों के बीच आवाजाही फिर से सुगम होगी, जिससे व्यापार, पर्यटन और व्यक्तिगत संबंधों को फिर से बढ़ावा मिलेगा।

अयोध्या पहुंचे पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा- चढ़ावा चोरी महापाप

-एफआईआर के बाद छोटे कर्मचारियों को किया गिरफ्तार

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में चंदा चोरी का मामला अभी तूल पकड़ा हुआ है, इसी बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार सुबह अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने राम दरबार के दर्शन किए और लगभग 15 मिनट तक मंदिर परिसर में रहे। मंदिर दर्शन के बाद केजरीवाल हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि चढ़ावे की चोरी अत्यंत गंभीर मामला है। रामलला के दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'चढ़ावा चोरी महापाप है। एफआईआर के बाद छोटे-छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। शाम चार बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विषय पर विस्तार से बात करूंगा।' केजरीवाल के इस बयान के बाद मामले को राजनीतिक रंग मिलने की भी संभावना जताई जा रही है। उनकी प्रस्तावित प्रेस कॉन्फ्रेंस पर अब राजनीतिक दलों और श्रद्धालुओं की नजरें टिकी हुई हैं। उधर, पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है और सभी तथ्यों की गहन पड़ताल की जा रही है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

कोर्ट ने पुलिस को दी नसीहत कहा- एग्जाम पेपर और प्राइवेट पार्ट में फर्क करें

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने एक ऐसे मामले की सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत प्राइवेसी उल्लंघन के आरोपों के दायरे पर सवाल खड़े कर दिए। हाईकोर्ट ने एक कैंडिडेट पर लगे प्राइवेसी उल्लंघन के आरोप को खारिज कर दिया, जिसे गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) की परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र की तस्वीर खींचकर व्हाट्सएप पर भेजने का दोषी ठहराया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी परीक्षा के पेपर की फोटो खींचना और उसे साझा करना आईटी अधिनियम की उस धारा के तहत नहीं आता, जो किसी व्यक्ति के निजी अंगों से जुड़ी निजता के उल्लंघन के लिए बनाई गई है।

जस्टिस पी एम रावल की सिंगल बेंच ने 16 जून को हार्दिक पुरोहित और राहुल पुरोहित नाम के दो भाइयों की याचिका पर यह अहम आदेश सुनाया। इन दोनों भाइयों ने वर्ष 2018 में अपने खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने न केवल आईटी एक्ट की धारा हटाई, बल्कि सरकारी आदेश की अवहेलना करने वाली धारा को भी खारिज कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने पुलिस को अन्य संभावित अपराधों के लिए अपनी जांच जारी रखने की छूट दी है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि न्याय का मार्ग बाधित न हो। यह विवाद वर्ष 2018 का है। एफआईआर के अनुसार, जीपीएससी परीक्षा के दौरान कैंडिडेट हार्दिक पुरोहित ने कथित तौर पर चालाकी से एग्जाम हॉल के अंदर प्रश्नपत्र की फोटो खींच ली थी। इसके बाद, उसने ये तस्वीरें अपने भाई राहुल पुरोहित को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दी थीं। जब यह मामला सामने आया, तो पुलिस ने दोनों भाइयों के खिलाफ आपराधिक साजिश (आईपीसी 120-बी), सरकारी कर्मचारी के कानूनी आदेश की नाफरमानी (आईपीसी 188) और आईटी एक्ट की धारा 66-ई के तहत मामला दर्ज कर लिया। इसी एफआईआर के खिलाफ दोनों भाई न्याय के लिए हाईकोर्ट पहुंचे थे। सुनवाई के दौरान, गुजरात हाईकोर्ट ने पुलिस द्वारा लगाई गई आईटी एक्ट की धारा 66-ई पर कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण कानूनी व्याख्या की। कोर्ट ने कानून की बारीकियों को समझाते हुए कहा कि यह धारा मुख्य रूप से किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उसके प्राइवेट पार्ट्स (निजी अंगों) की तस्वीरें खींचने, उन्हें प्रकाशित करने या ट्रांसफर करने के अपराध से निपटने के लिए बनाई गई है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि व्हाट्सएप के जरिए भाई को क्वेश्चन पेपर की फोटो भेजना, किसी व्यक्ति के प्राइवेट एरिया की फोटो खींचने या उसे वायरल करने के दायरे में नहीं आता। इसलिए इस मामले में आईटी एक्ट की धारा 66-ई लागू ही नहीं होती। इस टिप्पणी ने कानून के सही अनुप्रयोग पर जोर दिया।

पुलिस ने इस केस में आईपीसी की धारा 188 भी लगाई थी, जो किसी लोक सेवक के कानूनी आदेश का पालन न करने पर लागू होती है। पुलिस का तर्क था कि एग्जाम हॉल में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित था, फिर भी आरोपी मोबाइल अंदर ले गया। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जीपीएससी द्वारा उम्मीदवारों को मोबाइल न लाने के जो निर्देश दिए जाते हैं, उन्हें किसी सरकारी अफसर की तरफ से जारी किया गया आधिकारिक कानूनी आदेश नहीं माना जा सकता। परीक्षा के नियम अलग बात हैं और कानूनन सरकारी आदेश अलग। इस स्पष्टीकरण के साथ, कोर्ट ने धारा 188 भी खारिज कर दी। इन बड़ी धाराओं से दोनों भाइयों को राहत मिल गई है, लेकिन उनकी मुश्किलें पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वह केवल इन दो धाराओं (आईपीसी 188 और आईटी एक्ट 66-ई) को हटा रहे हैं।

देश के 20 राज्यों में मॉनसून सक्रिय, झमाझम बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी,एमपी,बिहार जैसे करीब 20 राज्यों में झमाझम बारिश होने का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन से चार दिन में ही दक्षिण पश्चिम मॉनसून पश्चिम बंगाल, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार के बाकी हिस्सों को कवर करता हुआ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को तर करने लगेगा। फिलहाल मौसम विभाग ने 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई राज्यो में 40 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश को अभी राहत मिलती नहीं दिख रही है। अगले तीन से चार दिन लू का प्रकोप देखने को मिलेगा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस सप्ताह पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, पश्चिमी तट और उप हिमालयी पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो सकती है। 27 से 29 जून के बीच सिक्किम में मूसलाधार बारिश होगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, झारखंड, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

यूपी, बिहार, झारखंड और राजस्थान का मौसम

उत्तर प्रदेश में लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, हरदोई, रायबरेली, बाराबंकी, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़ फतेहपुर, झांसी, जालौन, हमीरपुर, बांदा, आगरा मथुरा, अलीगढ़, मेरठ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 27 और 28 जून को बारिश के आसार नहीं हैं। पूर्वी यूपी में कुछ जगहों पर बौछार पड़ सकती है। हालांकि इससे तापमान से ज्यादा राहत मिलने वाली नहीं है। 30 जून के बाद यूपी में बारिश की तेज गतिविधियां शुरू हो सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में 26 जून को कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। वहीं ज्यादातर हिस्से में तेज धूप खुली रहेगी। दक्षिण पूर्व और दक्षिण मध्य बिहार में आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। वहीं झारखंड में अगले दो दिन लू का प्रकोप जारी रहेगा। 29 जून से यहां बारिश शुरू हो सकती है। पूर्वी राजस्थान और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अगले 5 से 7 दिन के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने और अधिक सक्रिय होने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 से 5 दिन के दौरान राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। इस अवधि में राज्य के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 जून से नौ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि आगामी सप्ताह के दौरान राजस्थान के पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों में वर्षा गतिविधियां सामान्य से कम रहने की संभावना है।

दिल्ली में तेज सतही हवाएं चलेंगी

राष्ट्रीय राजधानी में मॉनसून-पूर्व बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है, हालांकि गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली में आने वाले सात दिनों में दोपहर या शाम को तेज सतही हवाओं के साथ बहुत हल्की या हल्की बारिश जारी रहेगी। रविवार को बारिश नहीं होगी। हल्की बारिश के बावजूद दिल्ली में तापमान गर्म ही रहेगा। आगामी तीन दिनों में राजधानी का सर्वाधिक तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और 41 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। सोमवार को तापमान में हल्की गिरावट आएगी और यह 37-39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

पहाड़ी राज्यों का मौसम

जम्मू-कश्मीर में 26 जून से लेकर 30 जून तक कई जगहों पर आंधी के साथ बारिश हो सकती है। वहीं 1 जून से ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। हिमाचल प्रदेश में 26 से 29 जून तक हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। 1 जुलाई को राज्य में व्यापक स्तर पर बारिश की उम्मीद है।उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, टिहरी गढ़वाल, अल्मोड़ा, चमोली, रूद्रपर्याग और पिथौरागढ़ में 26 जून को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

असम सरकार नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी: सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के मौके पर राज्य में नशे के खिलाफ अभियान तेज करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए ड्रग्स के खिलाफ लगातार और सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि उनकी सरकार इस विषय पर गंभीरता से काम कर रही है और नशे के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चला रही है, क्योंकि यह समाज के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि सरकार उन ड्रग्स नेटवर्क को खत्म करने में जुटी है, जो असम में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं, और युवाओं को सामाजिक बुराई से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में, असम सरकार ने नशे के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाया है। असम पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर सैकड़ों ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान बड़ी मात्रा में हेरोइन, मेथामफेटामाइन की गोलियां और गांजा सहित अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। राज्य सरकार का मानना है कि असम की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति, जिसकी सीमाएं भूटान और बांग्लादेश से लगती हैं और यह पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार है, इस ड्रग तस्करों के लिए एक प्रमुख मार्ग बनाती है। कुख्यात गोल्डन ट्रायंगल क्षेत्र से संचालित होने वाले ड्रग तस्करी नेटवर्क का असर यहां दिखाता है। इस कारण सरमा सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपना रखी है, जिसमें सख्त कानूनी कार्रवाई, जनजागरूकता अभियान और नशा मुक्ति एवं पुनर्वास कार्यक्रम भी शामिल हैं। हर साल 26 जून को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाकर दुनिया को नशामुक्त करना, लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और रोकथाम, उपचार तथा पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करना है।

केंद्रीय कैबिनेट और भाजपा संगठन में बड़े बदलाव की आहट : नितिन नवीन की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव की अटकलें तेज हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, इन दोनों प्रक्रियाओं को एक साथ अंजाम दिया जा रहा है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

वहीं बीजेपी हलकों से पहले ही संकेत मिल रहे थे कि जून के अंत तक संगठन में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं, जो केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से सीधे तौर पर जुड़े हो सकते है। गुरुवार को नितिन नवीन की कुछ राज्य मंत्रियों के साथ हुई बैठकों ने इन अटकलों को पुख्ता किया है। पार्टी के भीतर माना जा रहा है कि उत्तरप्रदेश बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में फेरबदल की बारी है। यूपी की नई टीम के गठन में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जातियों के प्रतिनिधित्व पर विशेष जोर दिया गया है। इस नई टीम के गठन को समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण की प्रभावी काट के तौर पर देखा जा रहा है। इसी तर्ज पर, राष्ट्रीय संगठन में भी युवाओं, महिलाओं और विभिन्न महत्वपूर्ण जाति समूहों को अधिक प्रतिनिधित्व देने की संभावना है। पार्टी का लक्ष्य इन प्रमुख सामाजिक वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करना है। इधर, केंद्रीयद मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तब तेज हो गईं, जब बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ ताबड़तोड़ बैठकें कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में बदलाव की प्रक्रिया को आखिरी समय तक गोपनीय रखने के लिए जाने जाते हैं, इसकारण इस मुद्दे पर आधिकारिक चुप्पी साधी गई है।

भारतीय पुरुषों और महिलाओं में बढ़ रही नशे की आदत: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुषों में शराब के सेवन की दर में वृद्धि देखी गई है, वहीं महिलाओं में तंबाकू के उपयोग का चलन कई राज्यों में बढ़ता जा रहा है। हालिया नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-6) रिपोर्ट ने भारत में नशे की आदतों को लेकर एक नया और चिंताजनक बदलाव उजागर किया है।

हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर कुछ राहत के संकेत भी हैं। कुल मिलाकर महिलाओं में तंबाकू सेवन थोड़ा घटकर 8.9 प्रतिशत से 8.4प्रतिशत हुआ है, लेकिन इस राष्ट्रीय औसत के पीछे एक विपरीत रुझान छिपा है- 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं में तंबाकू उपयोग बढ़ा है। इनमें उत्तर प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्य शामिल हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि विशेष रूप से देखी गई है। पुरुषों की बात करें तो तंबाकू सेवन में हल्की गिरावट आई है, जो 38प्रतिशत से घटकर 36.3प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद कुछ राज्यों में यह दर अभी भी बहुत अधिक बनी हुई है, जिससे समस्या की गंभीरता बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में पुरुषों के बीच शराब पीने की आदत में भी हल्की बढ़ोतरी हुई है। यह दर 18.7प्रतिशत से बढ़कर 18.9प्रतिशत हो गई है। कई राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना में यह वृद्धि अधिक देखी गई है, जो इन क्षेत्रों में शराब की खपत में उल्लेखनीय इजाफा दर्शाती है।

वहीं, महिलाओं में शराब सेवन में राष्ट्रीय स्तर पर मामूली गिरावट आई है, लेकिन यहां भी कुछ राज्यों में इसका उपयोग फिर भी बढ़ रहा है, जो दर्शाता है कि क्षेत्रीय स्तर पर स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी अलग हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि केवल राष्ट्रीय औसत देखकर नशे की समस्या की पूरी तस्वीर नहीं समझी जा सकती। उनका मानना है कि कई राज्यों और जिलों में स्थिति काफी गंभीर है और वहां नशे की प्रवृत्ति में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसलिए, स्थानीय स्तर पर अलग-अलग, सूक्ष्म और प्रभावी रणनीति की जरूरत है ताकि इन विशिष्ट क्षेत्रों की चुनौतियों का समाधान किया जा सके। उन्हें डर है कि अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह प्रवृत्ति बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। रिपोर्ट में तंबाकू से होने वाले नुकसान पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया है, जिससे पता चलता है कि यह कितनी जानलेवा हो सकती है। तंबाकू से होने वाली मौतों में लगभग 48प्रतिशत मौतें दिल की बीमारियों (जैसे हार्ट डिजीज और स्ट्रोक) की वजह से होती हैं, जो भारत में हृदय रोगों के बढ़ते बोझ को दर्शाता है। इसके अलावा, भारत में मुंह का कैंसर बहुत अधिक आम है और तंबाकू का उपयोग इसका एक प्रमुख कारण है।

रिपोर्ट के अनुसार, तंबाकू से जुड़े कैंसर कुल कैंसर मामलों का लगभग 27-30प्रतिशत हैं, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में तंबाकू नियंत्रण के महत्व को रेखांकित करता है। सांस की बीमारियां भी तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों और बीमारियों की एक बड़ी वजह हैं, जिससे फेफड़ों की गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। एनएफएचएस-6 की यह रिपोर्ट साफ करती है कि भारत में नशे की आदतों में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहे हैं। पुरुषों में शराब की आदत बढ़ रही है और महिलाओं में तंबाकू का उपयोग, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, बढ़ रहा है। कुछ राज्यों में स्थिति राष्ट्रीय औसत से ज्यादा खराब है, जिससे नीति निर्माताओं को इन क्षेत्रीय विषमताओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

गाजियाबाद में निराश्रित एवं असहाय लोगों के लिए विशेष रेस्क्यू अभियान, प्रशासन ने की सहयोग की अपील

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। माननीय उच्च न्यायालय के निदेशों के अनुपालन में जिलाधिकारी के निर्देशन तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी के मार्गदर्शन में गाजियाबाद में निराश्रित, असहाय एवं बेसहारा पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के चिन्हांकन, संरक्षण एवं पुनर्वास के लिए विशेष रेस्क्यू एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान रेस्क्यू टीम ने हापुड़ चुंगी चौराहा, पुराना बस अड्डा, चौधरी मोड़, रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण कर वहां मौजूद जरूरतमंद लोगों से संवाद किया। साथ ही राहगीरों, दुकानदारों और वाहन चालकों को जागरूक करते हुए अपील की गई कि यदि कोई निराश्रित, मानसिक रूप से अस्वस्थ, भिक्षावृत्ति में लिप्त, लावारिस अथवा संकटग्रस्त महिला, पुरुष या बच्चा दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस अथवा जिला प्रशासन को दें, ताकि समय पर सहायता एवं संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

अभियान में डीसीपीयू के जितेन्द्र कुमार, संरक्षण अधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपरवाइजर, एएचटी थाना प्रभारी सर्वेश पाल, उपनिरीक्षक आरिफ खान, हेड कांस्टेबल नीलम एवं रेखा ने भाग लिया। रेलवे स्टेशन पर रेलवे चिल्ड्रेन इंडिया संस्था के शुभम चक्रवर्ती और आउटरीच वर्कर रफीक्यू खान ने भी सहयोग किया।

इस दौरान रेलवे क्षेत्राधिकारी भागचंद मीणा से अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए समन्वय एवं भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। रेस्क्यू टीम ने बताया कि सड़क, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रहने वाले जरूरतमंद लोगों के लिए शासन द्वारा भोजन, चिकित्सा, परामर्श, आश्रय एवं पुनर्वास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ऐसे व्यक्तियों की समय पर सूचना देकर समाज का प्रत्येक नागरिक उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे मानवता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए निराश्रित एवं असहाय व्यक्तियों की जानकारी संबंधित विभागों को दें तथा रेस्क्यू एवं पुनर्वास अभियान में प्रशासन का सहयोग करें। प्रशासन का कहना है कि सामूहिक प्रयासों से ही जरूरतमंद लोगों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान किया जा सकता है।

अकीदत और परंपरागत रिवाजों के साथ मनाया गया मोहर्रम, निकाले गए ताजिए

मुरादनगर (शिखर समाचार)। नगर में मोहर्रम का पर्व शनिवार को अकीदत, श्रद्धा और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। शहीद-ए-कर्बला हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में विभिन्न मोहल्लों से ताजियों के जुलूस निकाले गए, जिनमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। मोहल्ला कोट से निकला ताजियों का जुलूस मुख्य बाजार सहित निर्धारित मार्गों से होता हुआ कर्बला स्थल पहुंचा, जहां धार्मिक परंपरा के अनुसार ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

जुलूस के दौरान या हुसैन की सदाओं के बीच अकीदतमंदों ने मातम कर हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद किया और उनके बताए सत्य, इंसाफ और मानवता के संदेश को श्रद्धापूर्वक नमन किया। जुलूस में युवाओं ने पारंपरिक लाठी चलाना, पट्टेबाजी तथा अन्य शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया। इन हैरतअंगेज करतबों को देखने के लिए जुलूस मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ जुटी रही। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, भाईचारे और धार्मिक सौहार्द का माहौल देखने को मिला। मोहर्रम के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा, जबकि ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे जुलूस की निगरानी की गई। वहीं नगर पालिका परिषद ने जुलूस मार्ग पर साफ-सफाई, पेयजल तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

50 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर पुलिस मुठभेड़ में ढेर, दरोगा घायल

शामली (शिखर समाचार)। शामली पुलिस ने शुक्रवार तड़के थाना आदर्शमंडी और थाना कांधला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार रुपये के इनामी कुख्यात हिस्ट्रीशीटर महताब उर्फ बैचेन को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया। मुठभेड़ के दौरान थाना आदर्शमंडी के उपनिरीक्षक दीपचंद भी गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब तीन बजे थाना आदर्शमंडी क्षेत्र के ग्राम जलालपुर कट, मुजफ्फरनगर हाईवे के पास दो बदमाशों ने मोटरसाइकिल सवार लोगों से मोबाइल फोन, नकदी और चाबी लूट ली थी। विरोध करने पर बदमाशों ने फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के संबंध में थाना आदर्शमंडी में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

तलाश के दौरान थाना कांधला क्षेत्र की खन्द्रावली पुलिया के पास ट्यूबवेल के निकट चेकिंग के दौरान पुलिस का बदमाशों से सामना हो गया। पुलिस का कहना है कि बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में महताब उर्फ बैचेन गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे और खेतों का लाभ उठाकर फरार हो गया। घायल महताब को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके से पुलिस ने लूटा गया मोबाइल फोन, नकदी, बिना नंबर प्लेट की हीरो होंडा मोटरसाइकिल, 9 एमएम पिस्टल, छह जिंदा कारतूस, आठ खोखा कारतूस, एक कार्बाइन तथा सात जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, महताब उर्फ बैचेन निवासी मोहल्ला आलकला, थाना कैराना पर शामली, सहारनपुर और हरियाणा के पानीपत में हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी समेत 47 गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस का कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी है तथा मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मोहर्रम : शांतिपूर्ण माहौल में गाजियाबाद के अंदर निकला जुलूस, अलर्ट मोड पर रही पुलिस

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में मोहर्रम के जुलूस को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करने के लिए पुलिस कई दिन पहले से तैयारी में लग गई थी। पुलिस लगातार पीस कमेटी की मीटिंग करते हुए क्षेत्र के सम्मानित लोगों से लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करने की अपील कर रही थी। शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के साथ-साथ जुलूस निकलवाना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन की गई तैयारी के तहत गाजियाबाद के प्रत्येक इलाके में लॉ एंड ऑर्डर के तहत जुलूस निकला। गाजियाबाद के संवेदनशील इलाके खोड़ा और कैला भट्टा इलाके में भी शांतिपूर्ण माहौल में जुलूस निकला। इसी कड़ी में थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में शुक्रवार को निकाले जा रहे जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रही। प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ता रहा और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी रही। पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल तथा सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय ने भारी पुलिस बल के साथ जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संवेदनशील स्थानों का विशेष रूप से निरीक्षण कर वहां तैनात पुलिसकर्मियों की मुस्तैदी की समीक्षा की। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए संबंधित थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। इसके अलावा थाना खोड़ा

क्षेत्र में एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यार, पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल, एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव सहित भारी तादाद में पुलिसकर्मियों ने क्षेत्र पर भारी निगरानी बनाकर रखी थी। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने जुलूस में शामिल लोगों से भी संवाद किया और सभी से शांति, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम जैसे धार्मिक आयोजनों के दौरान सामाजिक सौहार्द बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी धार्मिक कार्यक्रम बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों। जुलूस मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगातार गश्त, निगरानी और अधिकारियों द्वारा मौके पर निरीक्षण किया जा रहा था । किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क और तैयार थी।

नई बाइक खरीदने जा रहे पिता को बेटे ने ही बनाया शिकार, नकदी, तमंचा और दो बाइक बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा पुलिस ने नई बाइक खरीदने जा रहे ग्रामीण से एक लाख रुपये चोरी की घटना का सनसनीखेज खुलासा करते हुए पीड़ित के बेटे समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की नकदी, दो बाइक और एक अवैध तमंचा बरामद किया है।

गाजियाबाद के थाना भोजपुर क्षेत्र के गांव मुकीमपुर निवासी सतीश बैंक से एक लाख रुपये निकालकर नई बाइक खरीदने पिलखुवा आ रहे थे। रास्ते में शौच के लिए रुकने के दौरान उन्होंने रुपयों से भरा बैग बाइक पर टांग दिया। इसी दौरान दो बाइकों पर सवार चार युवक बैग लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की। एएसपी विनीत भटनागर ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित के बेटे गौरव, विक्की उर्फ ब्रेट ली, मनीष और अमित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गौरव ने स्वीकार किया कि उसने मौज-मस्ती और खर्चों के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर पिता के रुपये चुराने की साजिश रची थी। उसे पहले से जानकारी थी कि उसके पिता बैंक से रुपये निकालकर बाइक खरीदने जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी विक्की उर्फ ब्रेट ली के खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट समेत 11 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि गौरव पर भी चार आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं।

नगर विकास विभाग ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए सौंपी जिम्मेदारी, 61 नगर पालिकाओं की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की

हापुड़ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश नगर विकास विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को ब्रांड एंबेसडर एवं स्वच्छता योद्धा के रूप में नामित किया है। इसी क्रम में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सोशल वेलफेयर सोसाइटी के चेयरमैन एवं नगर पालिका परिषद हापुड़ के ब्रांड एंबेसडर मो. दानिश कुरैशी को मेरठ मंडल का स्वच्छता योद्धा नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद दानिश कुरैशी ने सुबह 6 बजे से 10 बजे तक मेरठ मंडल के दोनों नगर निगमों और 61 नगर पालिकाओं की ऑनलाइन सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग की तथा शासन को आवश्यक सुझाव भी दिए। ऑनलाइन जूम

बैठक में नगर विकास विभाग के निदेशक अनुज झा (आईएएस), अपर निदेशक स्थानीय निकाय रितु सुहास (आईएएस), सौमित्र शेखर सहित प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों तथा मंडल की नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। दानिश कुरैशी ने कहा कि जनपद की चारों नगर पालिकाएं स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार बेहतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने स्वच्छता योद्धा नियुक्त किए जाने पर शासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाजसेवियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पांवटा साहिब सीमा पर स्थिति सामान्य, प्रशासन और निहंग प्रतिनिधियों के बीच वार्ता जारी

देहरादून (शिखर समाचार)। पंजाब से हिमाचल प्रदेश के रास्ते उत्तराखंड की ओर आने का प्रयास कर रहे निहंग सिख समुदाय के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के बीच शुक्रवार को पांवटा साहिब सीमा पर स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में रही। प्रशासन एवं पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने शुक्रवार को पांवटा साहिब सीमा का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सीमा क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। देहरादून आने जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही है। प्रशासन की ओर से निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ गुरुद्वारा पांवटा साहिब में सौहार्दपूर्ण वातावरण में वार्ता भी जारी है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सभी संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है और प्रत्येक गतिविधि पर प्रशासन तथा पुलिस की लगातार नजर बनी हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि आपसी संवाद के माध्यम से स्थिति पूरी तरह सामान्य बनाए रखने के प्रयास जारी हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि सीमा क्षेत्र सहित सभी संभावित प्रवेश मार्गों पर प्रभावी नाकेबंदी की गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी तथा शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें, केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें।

फॉगिंग के दौरान ई-रिक्शा में बुलेट की टक्कर, दो नगर पंचायत कर्मचारी घायल

शामली (शिखर समाचार)। मल्लापुर मार्ग पर शुक्रवार रात फॉगिंग अभियान के दौरान नगर पंचायत के ई रिक्शा को पीछे से एक बुलेट मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। हादसे में नगर पंचायत के दो कर्मचारी घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक के कथित अभद्र व्यवहार को लेकर परिजनों ने हंगामा कर दिया। बाद में दोनों घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत की टीम मल्लापुर मार्ग पर ई-रिक्शा के माध्यम से फॉगिंग कर रही थी। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आई बुलेट मोटरसाइकिल ई-रिक्शा से टकरा गई। दुर्घटना में नगर पंचायत कर्मचारी राजेंद्र और मनीष घायल हो गए। घटना के बाद दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां डॉक्टर के कथित अभद्र व्यवहार से नाराज परिजनों ने विरोध जताते हुए हंगामा किया। बाद में दोनों को बेहतर उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बुलेट मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं सीएचसी प्रभारी का कहना है कि घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया था। उन्होंने बताया कि डॉक्टर के व्यवहार को लेकर शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एनएच-9 पर दौड़ती कार बनी आग का गोला, बड़ा हादसा टला

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 पर शुक्रवार को चलती स्विफ्ट डिजायर कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। चालक की सूझबूझ और फायर सर्विस की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार सुनील कुमार अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से अमरोहा जा रहे थे। राजा की हवेली ढाबा के पास पहुंचते ही कार में शॉर्ट सर्किट होने से इंजन से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते कार आग की लपटों में घिर गई। चालक ने तत्काल कार रोककर बाहर निकलते हुए पुलिस और फायर सर्विस को सूचना दी। राहगीरों ने भी आग बुझाने

का प्रयास किया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। हालांकि आग से कार पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के अनुसार हादसा शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ और इसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सीता स्वयंवर प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

शामली (शिखर समाचार)। शहर के हनुमान धाम स्थित अग्रसेन भवन में श्रीराम लखन सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा के छठे दिन कथा व्यास दीपक महाराज ने भगवान श्रीराम और माता सीता के पावन सीता स्वयंवर प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कथा व्यास ने बताया कि मिथिला के राजा जनक को यज्ञभूमि जोतते समय भूमि से माता सीता प्राप्त हुई थीं। उनके विवाह के लिए राजा जनक ने भगवान शिव के दिव्य धनुष पिनाक को उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखी थी। स्वयंवर में अनेक राजा महाराजा पहुंचे, लेकिन कोई भी शिवधनुष को हिला तक नहीं सका। उन्होंने कहा कि महर्षि विश्वामित्र के आदेश पर भगवान श्रीराम ने सहज भाव से शिवधनुष उठाया और जैसे ही उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने लगे, धनुष बीच से टूट गया। धनुष भंग होने के बाद माता सीता ने भगवान श्रीराम के गले में वरमाला

पहनाई और दोनों का विवाह निश्चित हुआ। कथा के दौरान आगे बताया गया कि अयोध्या से राजा दशरथ के मिथिला पहुंचने पर भगवान श्रीराम सीता, लक्ष्मण उर्मिला, भरत माण्डवी तथा शत्रुघ्न श्रुतकीर्ति का वैदिक रीति रिवाजों के साथ विवाह संपन्न हुआ। कथा व्यास ने कहा कि सीता स्वयंवर धर्म, मयार्दा, वीरता और ईश्वरीय संयोग का अनुपम प्रतीक है तथा इससे जीवन में आदर्शों का पालन करने की प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव विजय कौशिक ने कथा व्यास से आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन यशपाल पंवार एवं सचिन जैन भगतजी ने किया। इस दौरान संदीप मित्तल, राजकमल मित्तल, राधेश्याम संगल, विजय गोयल, राजकुमार तायल, अशोक गोयल, अवनीश संगल, सचिन मित्तल, संजय एरन, नवीन अरोड़ा, शुभम तायल, सतीश जिंदल, राकेश गोयल, सुभाष तायल, शिव कुमार तायल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार पर साधा निशाना, कार्यकताओं से 2027 की तैयारी का आह्वान

शामली (शिखर समाचार)। शहर की चौधरी चरण सिंह कॉलोनी स्थित एमएलसी किरणपाल कश्यप के आवास पर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रामआसरे विश्वकर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कार्यकताओं से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान किया।

रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी और भुखमरी बढ़ी है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रति वर्ष दो करोड़ रोजगार देने के वादे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मध्यम और कुटीर उद्योगों के प्रभावित होने से मजदूर और गरीब वर्ग संकट में है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की आय दोगुनी करने का दावा भी पूरा नहीं हो सका। साथ ही कहा कि प्रदेश में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों के साथ अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने पुलिस-प्रशासन की कार्यप्रणाली, फर्जी एनकाउंटर, हिरासत में मौत तथा आरक्षण और सरकारी भर्तियों में अनियमितताओं को लेकर भी सरकार पर आरोप लगाए। रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल योजना से युवाओं को अपेक्षित स्तर पर रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने भाजपा सरकार को जनविरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार किसानों, मजदूरों और युवाओं के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए अभी से सक्रिय होकर काम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर एमएलसी किरणपाल कश्यप, गौरव कश्यप, भारत कश्यप, संजीव राठी, धीरज तोमर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोदीनगर: युवक से सोने की चेन लूटी, दो नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। संजय नगर कॉलोनी में बीती रात एक युवक से सोने की चेन लूटने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संजय नगर कॉलोनी निवासी पूनम उपाध्याय द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, उनका पुत्र मुकुल बीती रात कुछ सामान भिजवाने के लिए ई-रिक्शा लेने गया था। जब वह गली नंबर-7 में पहुंचा, तभी बाइक सवार दो युवक उसके पास आए और गले से सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। मुकुल ने बदमाशों का काफी दूर तक पीछा किया, लेकिन वे हाथ नहीं आए। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर संजय पुरी निवासी रिंकू और बादल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

अत्यधिक शराब के नशे में गिरने से मौत की आशंका, पहचान कराने में जुटी पुलिस

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र में ईदगाह की दीवार के पास एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार राहगीरों ने ईदगाह के पास एक युवक को मृत अवस्था में पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की।

संक्षिप्त समाचार

सरिया लदे ट्रक में घुसा कैंटर, चालक की मौत

अलीगढ़। दिल्ली-कानपुर नेशनल हाईवे पर मथुरा रोड स्थित ओवरब्रिज के पास सोमवार की देर रात सरिया लदे ट्रक में एक कैंटर ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कैंटर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चालक की मौत हो गई। चालक की पहचान आगरा के एत्मादपुर थाना क्षेत्र के विहारीपुर निवासी पंकज (35) के रूप में हुई है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पंकज सोमवार रात को अपने कैंटर में माल लादकर हाथरस से दिल्ली की ओर जा रहा था। जैसे ही उसका कैंटर सासनी गेट क्षेत्र के मथुरा रोड ओवरब्रिज के पास पहुंचा कैंटर सीधे सरिया से लदे ट्रक के पिछले हिस्से में जा धंसा। ट्रक में बाहर निकली सरिया कैंटर के केबिन को चीरती हुई अंदर घुस गई। सूचना मिलते ही सासनी गेट पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद गंभीर रूप से घायल पंकज को कैंटर के केबिन से बाहर निकाला और एंबुलेंस से जिला मलखान सिंह अस्पताल भिजवाया। यहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद पंकज को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर तुरंत हादसे की सूचना आगरा में रह रहे उसके परिजनों को दी।पंकज की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और रोते-बिलखते परिजन अलीगढ़ के लिए रवाना हो गए। सीओ प्रथम संजीव कुमार के मुताबिक पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुहर्रम नहीं जानते, सांसद के बयान पर बरसे बिजेंद्र

अलीगढ़ , एजेंसी। भाजपा सांसद सतीश गौतम के मुहर्रम नहीं जानते के बयान पर पलटवार करते हुए पूर्व सांसद व सपा के वरिष्ठ नेता चौधरी बिजेंद्र सिंह ने कहा कि सांसद विवादित बयान देकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को मैरिस रोड स्थित एक होटल में बिजेंद्र सिंह ने सतीश गौतम और भाजपा पर तीखा हमला बोला।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के अलीगढ़ दौरे के दौरान जनप्रतिनिधियों को साथा चीनी मिल के किसानों के बकाया भुगतान, खाद की समस्या, महंगाई, भ्रष्टाचार और पेयजल जैसी जनहित की समस्याएं उठानी चाहिए थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।विकास कार्यों की गुणवत्ता, सफाई व्यवस्था और कथित भूमि कब्जों जैसे मामलों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। लंबे समय से भाजपा सरकार होने के बावजूद शहर की पेयजल योजनाओं में अपेक्षित सुधार क्यों नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के विकास कार्य आज भी उनकी पहचान हैं।

काशी विद्यापीठ में विद्यार्थियों ने बनाया मिट्टी का खिलौना

वाराणसी , एजेंसी। काशी विद्यापीठ में चल रहे ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला में विद्यार्थियों ने कंपोजिशन, लैंडस्केप, कैलीग्राफी, क्ले मॉडलिंग, मिनिएचर कला की बारीकियां जानीं। इस दौरान मिट्टी के खिलौने बनाए जाने के साथ ही अन्य आकर्षक आकृतियां बनानी सीखीं।राज्य ललित कला अकादमी के सहयोग से कराई जा रही कार्यशाला में करीब 50 विद्यार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। आशीष विश्वकर्मा के नेतृत्व में लैंडस्केप के हाईलाइट एवं पारदर्शी रंगों के माध्यम से प्रकृति चित्रों को बनाना सिखाया जा रहा है। आजाद कपूर के नेतृत्व में कैलीग्राफी के तहत हिंदी एवं अंग्रेजी लेटर राइटिंग का प्रशिक्षण जबकि विशाल पटेल एवं माधवी गंगा के नेतृत्व में मिनिएचर पेंटिंग पेपर पर तैयार किया गया। डॉ। मदन प्रसाद गुप्ता और कृष्ण कुमार के नेतृत्व में मिट्टी द्वारा हाथी, खिलौना, मेंढक, दिया,मुखौटा, कप -प्लेट,सिगरेट स्टैंड, क़ायल की ओर से पात्र ,गणेश, मछली, मनवाकृति, पशु, गणेश की आकृति बनाने की कला बताई। विभागाध्यक्ष डॉ।सुनील कुमार विश्वकर्मा, डॉ। शत्रुघ्न प्रसाद, डॉ। रामराज मौजूद रहे।

मथुरा में मक्के की फसल बर्बाद, सरकार की ओर से मिले थे बीज

मथुरा, एजेंसी। जिले के कई गांवों में हर बार की तरह इस बार भी किसानों ने बड़े पैमाने पर मक्के की खेती की। फसल की ग्रोथ शानदार रही, पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए, लेकिन जब भुट्टे निकलने और उनमें दाने बनने का समय आया, तो भुट्टे खाली रह गए। किसान कर्ज और लागत डूबने से सदमे में हैं। ज्यादातर किसानों को सरकार की ओर से सब्सिडी वाले बीज मिले थे। नाराज किसानों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है। मथुरा के फरह और गोवर्धन ब्लॉक में मक्के की फसल को देख इस बार किसानों को लागत से दोगुनी कमाई की आस थी। मार्च महीने में मक्के की बुवाई की गई थी। अप्रैल तक अच्छी पैदावार की उम्मीद खेतों में लहलहा रही थी, लेकिन जून में जब मक्के की फसल में दाने नहीं आए तो किसानों के होश उड़ गए।दघेण्टा गांव के किसानों ने बताया कि, सरकार की ओर से 100 फीसदी सब्सिडी पर 'सेल' कंपनी का बीज दिया गया था। किसान खराब पैदावार के लिए खराब बीज को ही जिम्मेदार मान रहे हैं। इलाके के कुछ किसानों ने दूसरी कंपनी का बीज खरीद कर मक्के की फसल बोई, जिसमें मक्के के दाने अच्छे निकलकर आए हैं।

वाराणसी में 24 कोचिंग संस्थान सील

कई संचालक ताला लगाकर फरार, वीडीए का अभियान जारी

वाराणसी, एजेंसी। लखनऊ अग्निकांड ने हर किसी को झगझोर कर रख दिया है। इस घटना ने सिस्टम पर बड़े सवाल उठाए। सवाल बच्चों की सुरक्षा, सवाल भवनों के मानक को पूरा न करने का उठा। इस घटना ने विभागीय दावों की कलई खोल कर रख दी है। इसकी एक तस्वीर वाराणसी में भी नजर आ रही है, जहां लखनऊ अग्निकांड के बाद तेजी से मानक के विपरीत चल रहे कमर्शियल भवनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

बड़ी संख्या में कोचिंग संचालक ताला बंद करके फरार हो चुके हैं। वाराणसी में दर्जनों कोचिंग संचालकों ने अपने कोचिंग पर ताला लटका दिया है। साथ ही बाहर लगे बैनर-पोस्टर को भी हटाना शुरू कर दिया है, ताकि वह अपनी कमियों पर पर्दा डाल सकें।

वाराणसी के पांडेपुर इलाके की तस्वीर हैरान करने वाली है। वाराणसी का पांडेपुर इलाका जहां बड़ी संख्या में कोचिंग संचालित होती हैं और यहां की एक-एक गली में दर्जनों कोचिंग संस्थान हैं। यह ऐसे भवनों में संचालित हो रहे हैं, जो मानकों के विपरीत हैं। ऐसे में पकड़े जाने के डर से बड़ी संख्या में कोचिंग संचालकों ने अपने कोचिंग के बाहर ताला लटका दिया है। बच्चों की छुट्टी कर दी है।

कुछ स्थानों पर संचालकों ने अपने बोर्ड और विज्ञापन बैनरों को कागज से ढंक दिया है। यहां कोचिंग पर लगे ताले की तस्वीर उनके भवनों की दुर्व्यवस्था को भी बता रही हैं, कि किस तरीके से

यह मानक के विपरीत चल रहे हैं। हालांकि, ऐसे स्थानों पर वीडीए और अग्निशमन विभाग की टीम चेकिंग अभियान भी चल रही है।

बंद कोचिंग के खिलाफ कार्रवाई: वाराणसी अग्निशमन विभाग के मुख्य अग्निशमन अधिकारी आनंद सिंह राजपूत ने बताया कि अलग-अलग जोन में कार्रवाई की जा रही है। पांडेयपुर इलाके में बड़ी संख्या में कोचिंग भवनों की व्यवस्थाओं की जांच की है, जिसमें कई कोचिंग संस्थान बंद दिखाई दिए।

उनके बाहर ताला लगा हुआ है। ऐसे में इन संचालकों के खिलाफ नोटिस जारी की गई है और उनसे जवाब मांगा गया है। साथ ही यदि वह मानक के विपरीत होंगे तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में वाराणसी विकास प्राधिकरण की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में संचालित अवैध कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसके तहत कई संस्थान बिना मानचित्र स्वीकृति और आवश्यक अनुमतियों के संचालित किए जा रहे थे। संस्थानों के विरुद्ध मौके पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। कुल 24 कोचिंग संस्थानों को सील किया गया है।

वीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्धारित भवन मानकों, अग्नि सुरक्षा प्रावधानों तथा प्राधिकरण से प्राप्त स्वीकृतियों के अनुरूप ही संचालन सुनिश्चित करना होगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

संभल के कसेरवा में मुस्तफा कादरी मस्जिद पर चला बुलडोज़र

संभल, एजेंसी। संभल के कसेरुआ गांव में मुस्तफा कादरी मस्जिद पर प्रशासन ने रात में भी दो जेसीबी मशीनों की मदद से मस्जिद के बचे हुए हिस्से को तोड़ने और मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। रात्रि में प्रशासन का बुलडोजर चलने से इलाके में हड़कंप मच गया। पूरा मामला उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के थाना नखासा क्षेत्र के कसेरुआ गांव का है। बुधवार रात्रि करीब 9 बजे के बाद पुलिस-प्रशासन गांव पहुंचा और मस्जिद के बचे हुए हिस्से को तोड़ने का काम शुरू किया।

प्रशासन के अनुसार, मुस्तफा कादरी मस्जिद का निर्माण कब्रिस्तान के नाम दर्ज 120 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध कब्जा कर किया गया था। तहसीलदार न्यायालय ने 21 अप्रैल को मस्जिद कमेटी के खिलाफ बेदखली का आदेश पारित किया था। मस्जिद को पहले 6 जून को बुलडोजर से तोड़ा गया था, जिसके बाद 7 और 8 जून को भी बुलडोजर कार्रवाई जारी रही थी।

बताया जा रहा है कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के पहुंचने से पहले प्रशासन ने रात में ही मलबा हटाने और बचे हुए हिस्से को तोड़ने का काम फिर से शुरू कर दिया।बीते 9 जनवरी को हल्का लेखपाल द्वारा पैमाइश किए जाने के बाद 18 जनवरी 2026 को लेखपाल की शिकायत पर याकूब पुत्र अफसर तथा तस्लीम पुत्र यासीन के खिलाफ बीएनएस की धारा 329 तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 की धारा 2/3 के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

एयरफोर्स ट्रेनिंग पर जाने की थी खुशी, हादसे में युवक की मौत और पिता-पुत्री घायल, परिजन बेहाल

कानपुर , एजेंसी। औरैया जिले के अछल्दा कोतवाली क्षेत्र में एयरफोर्स में चयन होने पर एक युवक को ट्रेनिंग पर जाने के लिए निकलना था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। बुधवार सुबह फफूंद मार्ग पर एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में एयरफोर्स में चयनित युवक की मौत हो गई, जबकि उसके पिता और बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन में कोहराम मच गया। फफूंद थाना क्षेत्र के खानपुर निवासी रामजी (20) पुत्र श्याम सिंह अपनी बहन कुशमा देवी (21) और पिता श्याम सिंह (50) के साथ बाइक से अछल्दा थाना क्षेत्र के छछूंद गांव गए थे। परिजन झाड़-फूंक कराने के बाद वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक अमेला बंबा पुलिया के पास फफूंद मुख्य मार्ग पर पहुंची, तभी तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सड़क पर ही रामजी ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर मौके से भाग गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें रेफर कर दिया। परिजन ने बताया कि रामजी का चयन एयरफोर्स में हो गया था।

संतकबीर नगर को बड़ी सौगात

सीएम योगी देंगे 224.79 करोड़ की 65 परियोजनाओं का तोहफा

संत कबीरनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जून को संत कबीरनगर जिले के धनघटा विधानसभा क्षेत्र को एक ऐतिहासिक सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री धनघटा के विकास को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए कुल 224।79 करोड़ की 65 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन धनघटा विधानसभा क्षेत्र के बसवारी गांव में स्थित प्रसिद्ध बाबा बैजूनाथ धाम परिसर में किया जाएगा, जिसे लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रशासन के अनुसार, मुख्यमंत्री इस दौरे के दौरान 17 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, जो 54।42 करोड़ की लागत से पूरी तरह बनकर तैयार हो चुकी हैं।

इसके अलावा, क्षेत्र के भविष्य को और बेहतर बनाने के लिए 170।37 करोड़ की लागत वाली 48 नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी मुख्यमंत्री के हाथों किया जाएगा। इस प्रकार, इस दौरे से धनघटा

विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को एक नई और अभूतपूर्व रफ्तार मिलने जा रही है।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन अलर्ट: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तहसील धनघटा अंतर्गत प्रसिद्ध बाबा बैजूनाथ धाम में 25 जून 2026 को होने वाले प्रस्तावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। तैयारियों को अंतिम रूप देने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने खुद कमान संभाल ली है। दोनों उच्चाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर ही जनपद के समस्त पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित ड्यूटी में लगाए गए जवानों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस ब्रीफिंग के दौरान कानून-व्यवस्था, रूट डायवर्जन और सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई और अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए।

जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी प्रवेश द्वारों पर अनिवार्य रूप से मेटल डिटेक्टर लगाए जाएं और आने-जाने वालों की सघन चेकिंग सुनिश्चित की जाए।

वीआईपी मूवमेंट के दौरान आम जनता को कोई असुविधा न हो, इसके लिए यातायात डायवर्जन प्लान को बेहद प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, उन्होंने फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और मेडिकल टीमों को हर समय अलर्ट मोड पर रहने को कहा। वहीं, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने सभी पुलिसकर्मियों को उनके ड्यूटी पॉइंट के अनुसार जिम्मेदारियाँ समझाते हुए कहा कि पूरी सतर्कता और अनुशासन के साथ कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस महत्वपूर्ण ब्रीफिंग के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित विभिन्न विभागों के आलाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

वाराणसी में संपन्न हुई क्रिकेटर आकाशदीप की शादी; भोजपुरी सुपर स्टार पवन सिंह भी पहुंचे

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप की शादी वाराणसी के ताज गंगेज में धूमधाम से संपन्न हुई। शादी का मंडप महादेव की थीम पर बेहद आकर्षक सजाया गया था। काशी के विद्वान पंडितों ने द्वार-पूजा संपन्न कराई गई। इसके विधि-विधान के साथ विवाह की रस्में पूरी की गईं। इस दौरान वीवीआईपी अतिथियों का आना जारी रहा।

जानकारी के मुताबिक, आकाशदीप और अक्षिता की शादी में 300 से ज्यादा खास मेहमान पहुंचे। होटल में एंट्री क्यूआरकोड स्कैन करने के साथ हुई। अपनी शादी में आकाशदीप ने जमकर डांस भी किया। शाम लगभग 7:30 बजे उनका पूरा परिवार बिहार से वाराणसी के ताज गंगेज होटल पहुंचा। वहां मेहमानों का

पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया।

उनकी शादी की थीम पूरे बनारसी अंदाज में रखी गई। वहां डमरू, नंदी, महादेव की थीम नजर आई। यह मंडप हर किसी को खूब पसंद आया। वहीं खाने की बात करें तो बनारसी व्यंजनों के साथ इंटरनेशनल डिशेज भी शामिल है। रिश्तेदारों और करीबियों की मौजूदगी में रस्में निभाई गईं।

इस दौरान दूल्हा-दुल्हन को सजाने के लिए दिल्ली से मेकअप आर्टिस्ट भी बुलाए गए थे। आकाशदीप के घर वालों, रिश्तेदारों और करीबी लोगों के मौजूदगी में शादी की सभी रस्में निभाई गईं। भोजपुर स्टार और बीजेपी एमएलसी पवन सिंह भी नव दंपति को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे।

भारतीय टेस्ट क्रिकेटर आकाशदीप मूलतः बिहार के सासाराम के रहने वाले हैं। मेहंदी की रस्म सासाराम में पूरी होने के बाद शादी वाराणसी में भव्य समारोह में संपन्न हुई। टीम इंडिया के इंग्लैंड दौरे पर होने की वजह से मुख्य खिलाड़ी इस समारोह में शामिल नहीं हो सके। शादी के बाद मुंबई में एक शानदार रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

22 जून से चले वैवाहिक कार्यक्रम के अनुसार दो दिनों से उनके वैवाहिक कार्यक्रम बिहार के रोहतास में चले। 22 जून को उनका तिलक समारोह संपन्न हुआ। उनको हल्दी लगाई गई। वहीं, 23 जून को मेहंदी का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस दौरान आकाशदीप अपने परिवार के साथ झूमते, गाते, डांस करते हुए नजर आए। उन्होंने अपने हाथों पर अक्षिता के नाम की मेहंदी लगवाई। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रही हैं। हर कोई इस नए जोड़े को लेकर बेहद खुश है।

प्रॉपर्टी डीलर की पिटाई, फिर कार में डाल ले गए दबंग; कोरे कागज पर हस्ताक्षर करने की शर्त पर छोड़ा

आगरा , एजेंसी। आगरा के ताजगंज क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर रवि यादव ने आरोप लगाया कि बकाया रुपये मांगने पर कुछ युवक उन्हें और उनके साथी को कार में ले जाकर पीटते रहे और कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराए। वहीं पुलिस का कहना है कि दोनों युवक शराब के नशे में गालीगलौज कर रहे थे, मेडिकल में शराब पीने की पुष्टि होने पर निरोधात्मक कार्रवाई कर उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र में लेन-देन के विवाद में प्रॉपर्टी डीलर और उनके साथी को कार में डालकर ले जाने के बाद पिटाई लगाई गई। थाने ले जाकर मेडिकल कराया। कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराने के बाद रात में छोड़ दिया। अब प्रॉपर्टी डीलर ने वीडियो वायरल कर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

पूनम विहार कालोनी, थाना एकता निवासी रवि यादव का पंचवटी कॉलोनी के सामने ऑफिस है। उन्होंने बताया कि 21 जून की रात 11:30 बजे ऑफिस के बाहर कार में कुछ युवक आए। दो युवक खुद को भाजपा नेता बताने लगे। इनमें से एक युवक पर उनके रुपये थे। उस युवक ने बकाया रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद चले गए। कुछ देर बाद दो गाड़ियों में फिर पहुंच गए। उनके साथ कुछ पुलिसकर्मी भी थे। वह उन्हें कार में ले जाने का प्रयास करने लगे।

रवि यादव का आरोप है कि उन्हें और परिचित भुवन यादव को कार में बैठा लिया। एक स्थान पर ले जाकर पिटाई लगाई।

आगरा धर्मांतरण मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट

आगरा, एजेंसी। आगरा पुलिस ने सदर की सगी बहनों के बहुचर्चित धर्मांतरण मामले में जेल गए 14 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस एवं उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है।

इस पर ही अपर जिला जज 14 ज्योत्सना सिंह की अदालत ने अब इस मुकदमे में गवाही के लिए सात जुलाई नियत की है। अभियोजन की ओर से एडीजीसी एसपी भारद्वाज ने बताया कि सगी बहनों के बहुचर्चित धर्मांतरण मामले में धर्मांतरण गैंग के मास्टरमाइंड समेत 14 आरोपियों पर आरोप दाखिल किया गया है। अब इस मामले में गवाही की प्रक्रिया शुरू होगी। अब तक इस मामले में 18 आरोपी जेल में हैं।

बता दें कि आगरा के सदर बाजार की दो सगी बहनें मार्च 2025 में गायब हो गई थीं। जिस पर सदर थाना में गुमशुदगी दर्ज की गई थी। मई 2025 में दोनों बहनों के अपहरण का मुकदमा दर्ज करके पुलिस ने छानबीन की। छानबीन में पश्चिम बंगाल, राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली, गोवा और यूपी में एक साथ छापामार कार्रवाई

की। आगरा पुलिस ने 19 जुलाई को कोलकाता में दबिश देकर दोनों बहनें सुरक्षित बरामद करके धर्मांतरण गैंग का पर्दाफॉश किया था। पुलिस ने तब धर्मांतरण गैंग की हैड गर्ल एसबी कृष्णा उर्फ आयशा समेत दस आरोपियों को दबोचे थे।

सभी से पूछताछ और सबूतों के आधार पर दिल्ली से धर्मांतरण गैंग के सरगना अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह और उसके बेटे अब्दुल रहीम, अब्दुल्ला को दबोचा। धर्मांतरण गैंग के सरगना के आवास से रोहतक की युवती को मुक्त कराया।

एडीजीसी एसपी भारद्वाज ने बताया कि सगी बहनों के धर्मांतरण मामले में धर्मांतरण गैंग की महिला लीडर आयशा उर्फ एसबी कृष्णा, मास्टरमांइड अब्दुल रहमान, रिथ बनिक उर्फ मोहम्मद इब्राहिम, उशमा खान, शेखर उर्फ हसन अली, जुनैद कुरैशी, अबू तालिब, मोहम्मद रहमान कुरैशी, अब्दुल रहमान, मोहम्मद अली उर्फ पीयूष पवार, मनोज कनौजिया उर्फ मुस्तफा, जुनैद कुरैशी के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं। जेल में बंद सभी 14 आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 87, 111(3), 111(4), 61(2), एवं 152 तथा उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/5(1)/ 5(2)के तहत आरोप तय किए गए।

आगरा पुलिस ने छानबीन और आरोपियों से पूछताछ के बाद एक मई 2026 को चार और आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। जिनमें जतिन कपूर, तलमीज उर रहमान, परवेज अख्तर निवासी दिल्ली और डींग राजस्थान निवासी हसन मोहम्मद था।

पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने के बाद इनसे पूछताछ में कई खुलासे हुए थे। आरोपित अन्य आरोपियों के साथ मिल संगठित गिरोह के रूप में काम कर धर्मांतरण करा रहे थे। इस मामले में आगरा की सगी बहनों के साथ ही अन्य लड़कियों को बहला फुसला एवं प्रलोभन देकर उनका धर्म परिवर्तन कराया गया था। इस धर्मांतरण गैंग को विदेशों से फंडिंग मिलती थी। विदेशी फंडिंग की धनराशि के सबूत भी मिले हैं।

एडीजीसी एसपी भारद्वाज ने बताया कि सगी बहनों के धर्मांतरण मामले में जेल गई महिला आरोपिता एसबी कृष्णा उर्फ आयशा, रिथ बनिक, जुनैद कुरैशी, अबू तालिब आदि की पूर्व में सत्र न्यायालय से जमानत अर्जी खारिज हो चुकी है।

डस्ट फ्री सड़कों के लिए ग्रेटर नोएडा में विशेष सफाई अभियान जारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शहर की सड़कों को धूल मुक्त बनाने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का विशेष संयुक्त सफाई अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। अभियान के तहत सेक्टर-10 स्थित ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स से आयरिश सोसायटी तक तथा हनुमान मंदिर चौक के आसपास की सड़कों की व्यापक सफाई कराई गई। अभियान में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) को भी शामिल किया गया। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक (स्वास्थ्य) राजेश गौतम ने बताया कि यह विशेष संयुक्त सफाई अभियान 11 जुलाई तक चलेगा। प्रथम चरण में शहर की 37 प्रमुख सड़कों की सफाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ परियोजना और उद्यान विभाग की टीमें भी संयुक्त रूप से कार्य कर रही हैं, ताकि सड़कों को स्वच्छ, धूल मुक्त और व्यवस्थित बनाया जा सके।

गढ़ क्षेत्र में मोहर्रम पर ताजिए निकालकर कर्बला के शहीदों को किया गया याद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ तहसील क्षेत्र के बक्सर, सिंभावली, थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव रझेटी सहित विभिन्न स्थानों पर मोहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग द्वारा ताजिए के जुलूस निकाले गए। इस दौरान कर्बला के शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया और उनकी कुर्बानी को नमन किया गया।

ताजिए के जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। जुलूस निर्धारित मार्गों से शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया, जहां लोगों ने धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए मातम और अकीदत का इजहार किया। मोहर्रम के जुलूसों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी स्वयं एसडीएम श्रीराम यादव, सीओ राहुल यादव तथा सिंभावली थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहकर की। अधिकारियों ने पूरे आयोजन पर लगातार नजर बनाए रखी, जिसके चलते सभी जुलूस शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए।

प्रज्ञान पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा को राष्ट्रीय सम्मान

जेवर (शिखर समाचार)। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और नवाचारपूर्ण कार्यों के लिए यूएसओ स्कूल लीडरशिप कॉन्क्लेव एंड एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 में इनोवेशन इन स्कूल प्रैक्टिस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

यूनाइटेड स्कूल्स ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (यूएसओ) द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित समारोह में उन्हें सम्मान के साथ 10,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। यह सम्मान शिक्षा में

नवाचार, रचनात्मक शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया।

विद्यालय प्रबंधन ने इसे प्रज्ञान पब्लिक स्कूल के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि डॉ. दीप्ति शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व, समर्पण और शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने डॉ. दीप्ति शर्मा को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जमीनी विवाद में पिस्तौल तानने और कार तोड़फोड़ का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी रोड स्थित डीजे डेंटल कॉलेज के पास जमीनी विवाद को लेकर पिस्तौल तानने, मारपीट करने और कार क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निवाड़ी रोड निवासी नवीन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बीते दिन शाम को अपने साथी योगेश कुमार के साथ निवाड़ी रोड पर घूम रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि ईशु नेहरा नाम का व्यक्ति एक जमीन पर अवैध कब्जा करा रहा है। सूचना मिलने पर दोनों मौके पर पहुंचे और कार्य रुकवा दिया।

आरोप है कि इसी दौरान ईशु नेहरा अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंच गया और दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। नवीन का आरोप है कि ईशु ने योगेश पर पिस्तौल तान दी तथा उनकी कार के शीशे भी तोड़ दिए।

पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर बेगमाबाद निवासी ईशु नेहरा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

श्री खाटू श्याम मंदिर की भव्य निशान शोभायात्रा निकली, पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

मोदीनगर (शिखर समाचार)। महेंद्र पुरी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर के तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार शाम नगर में भव्य एवं विशाल निशान शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धालु महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। शाम को मोदी मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने हाथों में खाटू श्याम बाबा के निशान लिए चल रहे थे, जो आकर्षण का केंद्र बने रहे। रंग बिरंगे फूलों से सुसज्जित खाटू श्याम बाबा का रथ श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा। बैंड बाजों पर बज रही धार्मिक धुनों और श्याम बाबा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा में शामिल महिलाएं पैदल चलते हुए भजन कीर्तन और जयकारे लगाती रहीं। यह शोभायात्रा दिल्ली मेरठ मार्ग से होते हुए रुक्मणी मार्केट, बस स्टैंड और राज चौक से गुजरकर महेंद्र पुरी सी लाइन स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शोभायात्रा के दौरान दिल्ली मेरठ मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए मौजूद रहे। वहीं, यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा।

विजयनगर सेक्टर-9 पुलिस का देर रात सघन चेकिंग अभियान, बिना हेलमेट वाहन चालकों को दी सख्त चेतावनी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अपराध एवं सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से विजयनगर सेक्टर-9 पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में देर रात एनएच-24 बाईपास स्थित इंडिया मार्ट के समीप सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने दोपहिया वाहनों की गहन जांच करते हुए यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराया। चेकिंग के दौरान करीब एक दर्जन से अधिक बाइक सवार बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए गए। पुलिस ने सभी वाहन चालकों को रोककर हेलमेट पहनने के महत्व से अवगत कराया और भविष्य में अनिवार्य रूप से यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। उपनिरीक्षक मनीष कुमार ने स्पष्ट कहा कि सड़क सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा तथा दोबारा बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए जाने पर संबंधित चालकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे ताकि अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़े।

बार एसोसिएशन के धरने को भाकियू लोकशक्ति का समर्थन, सरकार से अधिवक्ताओं की मांगें मानने की अपील

नोएडा (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने नोएडा सेक्टर-33 स्थित नोएडा बार एसोसिएशन, डीडराइटर्स एवं अधिवक्ताओं द्वारा चलाए जा रहे धरना-प्रदर्शन में पहुंचकर अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। संगठन के नेताओं ने इसे अधिवक्ताओं के सम्मान, न्याय व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा महत्वपूर्ण आंदोलन बताते हुए सरकार से उनकी जायज मांगों को शीघ्र स्वीकार करने की मांग की।

भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान ने कहा कि बार एसोसिएशन सरकार की जनविरोधी एवं तानाशाही कार्यशैली के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद कर रही है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल अधिवक्ताओं के अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि न्याय व्यवस्था, लोकतंत्र और संविधान की गरिमा की रक्षा का भी विषय है। उन्होंने सरकार से अधिवक्ताओं की सभी उचित मांगों को तत्काल पूरा करने की अपील की।

संगठन के परिवहन मंत्री ओमप्रकाश गुर्जर ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अधिवक्ताओं की आवाज को दबाने का प्रयास किया गया तो संगठन आगे की रणनीति बनाकर व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

इस अवसर पर डॉ. रोहतास, महेश तंवर, ओमदत्त चौहान, राजकुमार मोनू, हरेन्द्र बैसोया, बबलू यादव, सुधीर ठाकुर, अरुण गौतम, जोगेंद्र चपराना, विजयपाल भाटी, सुनील बैसोया, प्रमोद प्रजापति, महेश बैसोया, हरि अवाना, मनोज शर्मा, अरविंद गौतम, महरदीन, जय सिंह, शफीक, प्रवीन चौहान, नरेश शर्मा, कुलदीप सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्जला एकादशी की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

मुरादनगर (शिखर समाचार)। सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन श्री राधा माधव लीला महामहोत्सव के अंतर्गत आयोजित कथा में गौरदास जी महाराज ने निर्जला एकादशी के महत्व एवं भक्तराज अम्बरीश की पावन कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गौरदास जी महाराज ने कहा कि भक्तराज अम्बरीश भगवान श्रीहरि के परम भक्त थे। राजपाट के दायित्वों का निर्वहन करने के साथ साथ वे स्वयं ठाकुर जी की सेवा में सदैव समर्पित रहते थे। भगवान के भोग के लिए अपने हाथों से चक्की चलाकर आटा पीसते थे। उनकी निष्काम भक्ति और अटूट समर्पण से प्रसन्न होकर स्वयं भगवान श्रीकृष्ण उनकी सेवा में तत्पर रहते थे।

उन्होंने बताया कि जब जब राजा अम्बरीश ब्रज में ठाकुर जी की सेवा में लीन रहते थे, तब भगवान के आदेश से सुदर्शन चक्र उनके राज्य की रक्षा करता था।

कथा के दौरान महाराज ने बताया कि एक बार महर्षि नारद कुंभ क्षेत्र में भक्तराज अम्बरीश की महिमा का वर्णन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संसार में अम्बरीश जैसा भक्त दुर्लभ है। यह सुनकर महर्षि दुवार्सा को आश्चर्य हुआ और उन्होंने उनकी भक्ति की परीक्षा लेने का निश्चय किया।

निर्जला एकादशी के दिन राजा अम्बरीश ने विधि-विधान से व्रत रखा। द्वादशी के पारण के समय महर्षि दुवार्सा उनके महल पहुंचे। राजा ने उनका आदर-सत्कार कर भोजन का आग्रह किया, लेकिन दुवार्सा ऋषि स्नान के लिए चले गए और काफी देर तक वापस नहीं लौटे। इस बीच द्वादशी का पारण का समय समाप्त होने लगा। धर्मसंकट की स्थिति में विद्वानों की सलाह पर राजा अम्बरीश ने केवल जल ग्रहण कर व्रत का पारण किया।

जब महर्षि दुवार्सा लौटे तो उन्होंने इसे अपना अपमान समझा और क्रोधित होकर राजा को शाप देने का प्रयास किया। तभी भगवान का सुदर्शन चक्र उनकी ओर बढ़ा। भयभीत होकर दुवार्सा ऋषि ब्रह्मा, भगवान शिव और अंत में भगवान विष्णु के पास पहुंचे, लेकिन किसी ने भी उन्हें बचाने में असमर्थता जताई। अंततः भगवान विष्णु ने कहा कि वे अपने भक्तों के अधीन हैं और उन्हें क्षमा तभी मिलेगी जब वे राजा अम्बरीश से क्षमा याचना करेंगे।

इसके बाद महर्षि दुवार्सा ने राजा अम्बरीश से क्षमा मांगी। राजा की विनम्रता, क्षमाशीलता और भक्तिभाव से प्रसन्न होकर सुदर्शन चक्र शांत हो गया। गौरदास जी महाराज ने कहा कि यह कथा सच्ची भक्ति, विनम्रता, क्षमा और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण का संदेश देती है। भगवान अपने सच्चे भक्तों की सदैव रक्षा करते हैं।

कथा के उपरांत श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन का आनंद लिया तथा भगवान श्री राधा माधव की आरती में सहभागी होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

महिला से मारपीट, दो जेठों पर मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव रौनीजा में पारिवारिक विवाद के दौरान महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला के दो जेठों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़िता के भाई की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव फिरोजपुर निवासी उत्तम शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बहन रेनू के साथ उसके जेठ संजय शर्मा और बबलू शर्मा, निवासी गांव रौनीजा, ने गाली-गलौज की। विरोध करने पर दोनों ने कथित तौर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे रेनू घायल हो गई। आरोप है कि घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जेवर में उधार के रुपये मांगने पर मारपीट, चार पर मुकदमा

जेवर (शिखर समाचार)। उधार दिए गए रुपये वापस मांगने पर एक व्यक्ति के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एक व्यक्ति और उसके तीन पुत्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुलंदशहर निवासी शहजाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कस्बा जेवर निवासी सलीम पर उसके कुछ रुपये उधार हैं। आरोप है कि करीब एक सप्ताह पहले वह अपनी रकम लेने के लिए सलीम के पास गया था। इसी दौरान सलीम ने अपने तीन पुत्रों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। साथ ही आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर चारों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रील बनाने का जानलेवा शौक: मृत सांप के साथ वीडियो बनाने के बाद युवक की हालत बिगड़ी

बिजनौर (शिखर समाचार)। सोशल मीडिया पर रील बनाकर लोकप्रिय होने की चाह एक युवक पर भारी पड़ गई। जिले के थाना नहटौर क्षेत्र के शादीपुर गांव में मृत सांप के साथ वीडियो बनाने के कुछ समय बाद युवक की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार शादीपुर गांव निवासी सलीम को रास्ते में एक मृत सांप मिला। सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाने के उद्देश्य से उसने सांप को हाथ में उठाकर विभिन्न अंदाज में रील बनवाई। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों के अनुसार उसे घबराहट, उल्टी और शरीर में खिंचाव की शिकायत हुई। इसके बाद परिजन उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

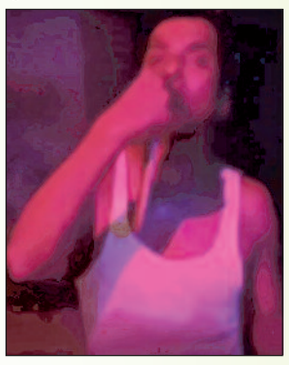

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें युवक मृत सांप के साथ लापरवाही से वीडियो बनाता दिखाई दे रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि युवक की तबीयत बिगड़ने का वास्तविक कारण क्या था। चिकित्सकों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह पुष्टि हो सकेगी कि उसकी हालत किसी विषैले पदार्थ के संपर्क, किसी पुराने घाव में जहर के प्रवेश या किसी अन्य चिकित्सकीय कारण से बिगड़ी। विशेषज्ञों का कहना है कि मृत सांप के साथ छेड़छाड़ करना भी बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि उसके विषदंतों में जहर मौजूद रह सकता है और यदि वह किसी कटे या खुले घाव के संपर्क में आ जाए तो नुकसान पहुंचा सकता है। प्रशासन और विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए इस तरह के जोखिम भरे स्टंट से बचें और किसी भी जीवित या मृत विषैले जीव को बिना विशेषज्ञ की सहायता के हाथ न लगाएं।

हरियाणा पुलिस साइबर ठगी मामले में नगीना के पांच युवकों को पूछताछ के लिए ले गई

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। हरियाणा के भिवानी जिले में दर्ज 15 लाख रुपये की कथित साइबर ठगी के मामले में हरियाणा पुलिस ने बिजनौर के नगीना कस्बे से पांच युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। घटना के बाद क्षेत्र में विभिन्न तरह की चर्चाएं हैं। जानकारी के अनुसार, भिवानी साइबर क्राइम थाना की टीम एसआई कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में नगीना पहुंची। स्थानीय पुलिस के सहयोग से टीम ने नगर निवासी मोहम्मद कैफ अहमद पुत्र लईक अहमद, मोहम्मद शाकिर पुत्र मोहम्मद खालिद, मोहम्मद असद पुत्र नसीम अहमद, मोहम्मद जिबरान पुत्र केशर अली तथा अकदस पुत्र नसीम अहमद को उनके घरों से पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ के लिए ले जाए गए युवक एक निजी बैंक की मिनी शाखा का संचालन भी करते थे। बताया जा रहा है कि इसकी मुख्य शाखा नजीबाबाद में है। पुलिस कार्रवाई के दौरान संबंधित कार्यालय शुक्रवार को बंद मिला। नगीना थाना प्रभारी विकास जादौन ने बताया कि मामला हरियाणा में दर्ज साइबर अपराध से जुड़ा है। उन्होंने पुष्टि की कि भिवानी साइबर क्राइम थाना की पुलिस पांचों युवकों को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। फिलहाल मामले में किसी की गिरफ्तारी या दोष सिद्ध होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच जारी है और पुलिस पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

पत्नी के दस्तावेजों से फर्जीवाड़ा कर स्कॉर्पियो खरीदने का आरोप, पति गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। पत्नी के दस्तावेजों और कथित रूप से जाली हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर उसके नाम पर स्कॉर्पियो-एन कार फाइनेंस कराने के आरोप में बिजनौर कोतवाली शहर पुलिस ने मुख्य आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए फरार अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, दिल्ली निवासी पीड़िता रूखसार की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में आरोप है कि उसके पति फरहान, जेठ सलीम (दोनों निवासी मोहल्ला बुखारा, बिजनौर) तथा अलका यादव (निवासी मेरठ) ने मिलकर कथित साजिश रची। आरोप है कि उन्होंने पीड़िता के फोटो, आधार कार्ड और कथित रूप से जाली हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर महिंद्रा कंपनी के कर्मचारियों को धोखे में रखा और रूखसार के नाम पर स्कॉर्पियो-एन कार फाइनेंस कराकर खरीद ली। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली शहर में मुकदमा अपराध संख्या 342/2026 दर्ज किया गया। प्रारंभिक जांच के आधार पर बीएनएस की धाराएं 319(2), 318(4), 338, 336(3) और 340(2) लगाई गई थीं। विवेचना के दौरान साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने धारा 61(2) (आपराधिक साजिश) भी मुकदमे में शामिल कर ली। कोतवाली शहर पुलिस ने मुख्य आरोपी फरहान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, फरहान नगर के प्रमुख लोहा कारोबारी जहीर अहमद का पुत्र है। वहीं, मामले में नामजद सह-आरोपी सलीम और अलका यादव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोप न्यायालय में विचाराधीन हैं और आरोपियों का पक्ष सामने आना शेष है।

संपादकीय

राम को भी नहीं छोड़ा : आस्था की रक्षा का पहला धर्म है जवाबदेही

भारत जैसे देश में भगवान श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि मयार्दा, सत्य, न्याय और लोककल्याण के आदर्श हैं। करोड़ों लोगों ने वर्षों तक संघर्ष, विश्वास और समर्पण के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का सपना साकार होते देखा। इसी आस्था से प्रेरित होकर देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने खुले मन से दान दिया। ऐसे में यदि उसी दान की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़े हों, तो यह केवल वित्तीय अनियमितता का मामला नहीं रह जाता, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की परीक्षा बन जाता है। आज राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित गड़बड़ियों के बीच जो घटनाक्रम सामने आया है, उसने पूरे देश को सोचने पर विवश कर दिया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा का नैतिक आधार पर इस्तीफा, उत्तर प्रदेश सरकार की सख्ती, एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट, एफआईआर दर्ज होना और आरोपितों की गिरफ्तारी ये सभी घटनाएँ बताती हैं कि मामला सामान्य प्रशासनिक त्रुटि का नहीं, बल्कि गंभीर जांच का विषय बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरूआत से ही स्पष्ट संदेश दिया कि चाहे मामला कितना भी संवेदनशील क्यों न हो, दोषी किसी भी स्तर का हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में कठोर संस्तुतियों के बाद ट्रस्ट की शिकायत पर आठ लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई और अब सभी नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी की खबर भी सामने आ चुकी है। जांच में दान संग्रह, नकदी की गणना, बहुमूल्य वस्तुओं के रखरखाव तथा लेखा प्रणाली की प्रक्रिया की गहन पड़ताल की जा रही है। यह घटनाक्रम बताता है कि सरकार कम से कम प्रारंभिक स्तर पर जांच को औपचारिकता नहीं बनने देना चाहती। हालाँकि इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष किसी व्यक्ति विशेष का इस्तीफा नहीं, बल्कि यह है कि देश की सबसे बड़ी धार्मिक आस्थाओं में से एक से जुड़े संस्थान में ऐसी स्थिति उत्पन्न ही क्यों हुई। जब करोड़ों रुपये का दान प्रतिदिन आता हो, तब वित्तीय प्रबंधन की व्यवस्था दुनिया के सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। आधुनिक तकनीक, डिजिटल रिकॉर्ड, स्वतंत्र ऑडिट, बहुस्तरीय निगरानी और नियमित सार्वजनिक रिपोर्टिंग जैसी व्यवस्थाएँ केवल कॉरपोरेट संस्थानों के लिए नहीं, बल्कि उन धार्मिक संस्थाओं के लिए भी आवश्यक हैं, जिनका संचालन जनता के विश्वास से होता है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इस पूरे प्रकरण को राजनीतिक चश्मे से देखने की बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि जांच निष्पक्ष है तो दोषी चाहे कर्मचारी हो, अधिकारी हो या शीर्ष पद पर बैठा कोई व्यक्ति, कानून सबके लिए समान होना चाहिए। दूसरी ओर यदि किसी निर्दोष को केवल जनदबाव में बलि का बकरा बनाया जाता है, तो वह भी न्याय के साथ अन्याय होगा। इसलिए जांच की निष्पक्षता ही इस पूरे मामले की विश्वसनीयता तय करेगी। भारतीय समाज में मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि सेवा, संस्कार, समाज निर्माण और जनविश्वास के केंद्र भी होते हैं। श्रद्धालु यह सोचकर दान देता है कि उसका अंश धर्म, सेवा और जनकल्याण में लगेगा। यदि उसी धन के उपयोग पर संदेह उत्पन्न हो जाए तो नुकसान केवल आर्थिक नहीं होता, बल्कि लोगों का विश्वास भी टूटता है। विश्वास एक बार टूट जाए तो उसे दोबारा स्थापित करने में वर्षों लग जाते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि जांच पूरी पारदर्शिता के साथ समयबद्ध ढंग से पूरी हो और उसके निष्कर्ष सार्वजनिक किए जाएँ। चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे को कुछ लोग नैतिक जिम्मेदारी मानेंगे तो कुछ इसे बढ़ते दबाव का परिणाम बताएँगे। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल इस्तीफा ही अंतिम उत्तर नहीं होता। वास्तविक उत्तर तब मिलेगा जब जांच पूरी होगी, जवाबदेही तय होगी और यदि कहीं व्यवस्थागत कमियाँ मिलीं तो उन्हें स्थायी रूप से दूर किया जाएगा। किसी भी संस्था की विश्वसनीयता उसके पदाधिकारियों से बड़ी होती है और वही सिद्धांत धार्मिक ट्रस्टों पर भी समान रूप से लागू होना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की भी है कि देश के सभी बड़े धार्मिक संस्थानों चाहे वे मंदिर हों, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च या अन्य धर्मस्थल में दान और वित्तीय प्रबंधन के लिए एक समान पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जाए। आस्था का अर्थ जवाबदेही से मुक्त होना नहीं है। बल्कि जितनी बड़ी आस्था, उतनी ही बड़ी पारदर्शिता अपेक्षित होती है। भगवान के नाम पर आने वाला प्रत्येक रुपया पवित्र विश्वास की अमानत है और उसकी रक्षा करना किसी भी ट्रस्ट का सर्वोच्च दायित्व है। राम का नाम भारतीय संस्कृति में सत्य, मयार्दा और न्याय का पर्याय है। इसलिए यदि राम के नाम पर चलने वाली किसी व्यवस्था पर प्रश्न उठते हैं तो सबसे पहले उसी व्यवस्था को स्वयं आगे आकर सत्य स्थापित करना चाहिए। यही राम के आदर्शों के अनुरूप भी है और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व की भी यही मांग है। इस पूरे प्रकरण से देश को एक बड़ा संदेश मिलना चाहिए कि कानून, नैतिकता और पारदर्शिता के सामने कोई भी संस्था, व्यक्ति या पद इतना बड़ा नहीं हो सकता कि उस पर प्रश्न न उठाए जा सकें। आखिर श्रद्धालुओं ने दान किसी व्यक्ति को नहीं, प्रभु श्रीराम के चरणों में अर्पित किया था। इसलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा कि यदि दान में गड़बड़ी हुई है तो सचमुच राम को भी नहीं छोड़ा और यही कारण है कि अब न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए।

~ मौलिक चिंतन ~

निराशा के बीज से कोई आशा प्रस्फुटित नहीं हो सकती।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

वर्दी का भय या कानून का विश्वास ?

विनोद कुमार सिंह

गोड्डा की एक घटना,पत्रकार सुरक्षा और झारखंड की कानून-व्यवस्था पर उठते गंभीर सवाल...

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों,सरकारों और संवैधानिक संस्थाओं से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी आंकी जाती है कि आम नागरिक स्वयं को कितना सुरक्षित,सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करता है।जब कोई नागरिक,सामाजिक कार्यकर्ता या पत्रकार अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए भयमुक्त होकर प्रश्न पूछ सकता है,तभी लोकतंत्र वास्तव में जीवंत माना जाता है।लेकिन जब कानून की रक्षा करने वाली संस्थाओं पर ही भय पैदा करने के आरोप लगने लगें,तब लोकतंत्र के सामने गंभीर प्रश्न खड़े हो जाते हैं।

गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालपुर गाँव में 25 जून 2026 को सामने आई एक कथित घटना ने ऐसे ही अनेक सवालों को जन्म दिया है।आरोप है कि सादे वेश में कुछ पुलिसकर्मी बिना नंबर प्लेट वाले वाहन से गाँव पहुँचे और स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान पुलिसिया रौब दिखाया। आरोप यह भी है कि एक मान्यता प्राप्तपत्रकार द्वारा अपना परिचय पत्र दिखाने के बाद भी कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया।यद्यपि इन आरोपों की निष्पक्ष जाँच और पुलिस प्रशासन का पक्ष सामने आना अभी शेष है,फिर भी यह घटनाक्रम लोकतंत्र, पत्रकारिता और पुलिस जवाबदेही पर व्यापक चर्चा की माँग करता है।सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या पत्रकार भीड़ का हिस्सा है? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से ह्यनहींह्ण है।पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है।वह न सत्ता का प्रतिनिधि होता है और न ही विपक्ष का। उसका दायित्व जनता और शासन के बीच सूचना का सेतु बनना है।संविधान के अनुच्छेद19(1)(क)के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार नागरिकों को प्राप्त है, पत्रकार उसी अधिकार का सामाजिक विस्तार है।उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण से जुड़े पत्रकार पिछले लगभग तीन दशकों से देश की राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में सक्रिय पत्रकारिता कर रहे हैं।वे अनेक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पत्रकार संगठनों, प्रेस एसोसिएशनों तथा पत्रकार मंचों से जुड़े रहे हैं और जनसरोकार,प्रशासनिक जवाबदेही, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा ग्रामीण भारत से जुड़े विषयों पर लगातार लेखन करते रहे हैं।ऐसे में यदि किसी वरिष्ठ और मान्यता प्राप्त पत्रकार के साथ भी कथित रूप से अभद्र व्यवहार या धमकी जैसी स्थिति उत्पन्न होती है,तो यह प्रश्न केवल एक व्यक्ति की गरिमा का नहीं रह जाता,बल्कि पत्रकारों की कार्य-स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा से भी जुड़ जाता है।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर कहा है कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है। यदि पत्रकार भयमुक्त नहीं रहेगा, तो जनता तक सत्य और सूचना का प्रवाह भी बाधित होगा। इसलिए किसी पत्रकार के साथ कथित दुर्व्यवहार केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रता से जुड़ा विषय बन जाता है।दूसरी ओर यह भी उतना ही सत्य है कि पुलिस व्यवस्था किसी भी राज्य की रीढ़ होती है।झारखंड जैसे राज्य में पुलिस की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण है।राज्य लंबे समय तक नक्सलवाद,संगठित अपराध, अवैध खनन,साइबर अपराध तथा सामाजिक तनावों जैसी समस्याओं से जूझता रहा है।हाल के वर्षों में झारखंड पुलिस ने अपराध नियंत्रण और उग्रवाद विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। अपराधियों की गिरफ्तारी,अवैध हथियारों की बरामदगी और साइबर अपराध के विरुद्ध कार्रवाई पुलिस की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ रही हैं।

गोड्डा जिला भी इससे अछूता नहीं है। जिले में समय-समय पर अवैध हथियारों,आपराधिक गिरोहों,भूमि विवादों तथा संगठित अपराधों के विरुद्ध अभियान चलाए जाते रहे हैं। ऐसे में पुलिस को कई बार त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई करनी पड़ती है,लेकिन लोकतंत्र में किसी भी कार्रवाई की वैधता केवल उसके उद्देश्य से नहीं,बल्कि उसकी प्रक्रिया से भी तय होती है। यही वह बिंदु है जहाँ नागरिक अधिकारों और पुलिस शक्तियों के बीच संतुलन आवश्यक हो जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। इसका अर्थ यह है कि किसी भी व्यक्ति के साथ अपमानजनक व्यवहार नहीं किया जा सकता।यदि पुलिस पूछताछ करती है तो नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि उससे पूछताछ करने वाला व्यक्ति कौन है और किस अधिकार के तहत कार्रवाई कर रहा है।सवाल यह भी है कि यदि पुलिस सादे वेश में कार्रवाई कर रही हो तो उसकी पहचान सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है?आज के दौर में जब अपराधी भी स्वयं को पुलिस बताकर लोगों को ठगने लगे हैं,तब आम नागरिक के मन में संदेह होना स्वाभाविक है।इसलिए पारदर्शिता केवल नागरिक का अधिकार नहीं,बल्कि पुलिस प्रशासन की भी आवश्यकता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी)के आँकड़े बताते हैं कि झारखंड के सामने अपराध नियंत्रण की चुनौती अभी भी बनी हुई है। हत्या,साइबर अपराध, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और आर्थिक अपराध जैसी समस्याएँ राज्य के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसी परिस्थितियों में पुलिस को अधिक अधिकार और संसाधन मिलना चाहिए, लेकिन उतनी ही मजबूती से जवाबदेही की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है।यह सिद्धांत नागरिक पर भी लागू होता है और वर्दी पर भी। पुलिस की शक्ति संविधान से आती है, भय से नहीं।यदि किसी नागरिक या पत्रकार को यह महसूस हो कि उसके साथ अन्याय हुआ है,तो उसे शिकायत करने, जाँच की माँग करने और न्याय पाने का अधिकार है।आज आवश्यकता पुलिस बनाम पत्रकार की बहस की नहीं है। आवश्यकता पुलिस और पत्रकार के बीच विश्वास बहाली की है। दोनों ही लोकतंत्र की सेवा कर रहे हैं। पुलिस अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करती है और पत्रकार उस कार्रवाई को जनता तक पहुँचाता है। दोनों का लक्ष्य अंततः जनहित ही है।यदि लालपुर की घटना में लगाए गए आरोप गलत सिद्ध होते हैं, तो इससे पुलिस की प्रतिष्ठा और मजबूत होगी।यदि कहीं किसी स्तर पर चूक या दुर्व्यवहार पाया जाता है, तो निष्पक्ष कार्रवाई से जनता का विश्वास बढ़ेगा। दोनों ही परिस्थितियों में सत्य,पारदर्शिता और विधि का शासन ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार है।झारखंड पुलिस के हजारों अधिकारी और जवान कठिन परिस्थितियों में दिन-रात सेवा दे रहे हैं।उनके योगदान का सम्मान होना चाहिए।लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि आम नागरिक, पत्रकार और समाज के कमजोर वर्ग स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।लोकतंत्र में वर्दी का सम्मान और नागरिक की गरिमा–दोनों साथ-साथ चलते हैं।

कानून का राज केवल अपराधियों को पकड़ने से स्थापित नहीं होता। कानून का राज तब स्थापित होता है जब आम आदमी बिना भय के अपने अधिकारों का उपयोग कर सके, पत्रकार बिना दबाव के प्रश्न पूछ सके और पुलिस बिना पक्षपात के कानून लागू कर सके।गोड्डा जिले की यह कथित घटना चाहे जिस निष्कर्ष तक पहुँचे,उसने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है-क्या हम भय आधारित व्यवस्था चाहते हैं या विश्वास आधारित शासन?लोकतंत्र का उत्तर स्पष्ट है।वर्दी का सम्मान होना चाहिए, लेकिन संविधान उससे भी ऊपर है। पत्रकार का सम्मान होना चाहिए, क्योंकि वह जनता की आवाज है। और सबसे बढ़कर,आम नागरिक का सम्मान होना चाहिए,क्योंकि वही लोकतंत्र का वास्तविक स्वामी है।जब वर्दी में संवेदनशीलता होगी, कलम में निर्भीकता होगी और नागरिक के मन में विश्वास होगा, तभी झारखंड की कानून-व्यवस्था वास्तव में मजबूत मानी जाएगी। यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की भावना है और यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति भी।

आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में नागरिकता को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय बहस तेज हो गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि पासपोर्ट अपने-आप में नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं है, विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि नागरिकता का निर्धारण केवल किसी एक दस्तावेज से नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र परीक्षण के आधार पर होता है। यह विवाद केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकों के भरोसे से भी जुड़ा है। आम नागरिक का सबसे बड़ा सवाल यही है–यदि आधार, वोटर आईडी, पैन कार्ड और यहां तक कि पासपोर्ट भी अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो आखिर भारतीय नागरिकता सिद्ध कैसे होगी? लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति नागरिक का विश्वास होता है। यदि नागरिक को अपने ही अधिकारों के प्रमाण को लेकर असमंजस रहे, तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इसलिए समय की मांग है कि नागरिकता प्रमाणन की प्रक्रिया स्पष्ट, सर्वसुलभ और विवाद-मुक्त बनाई जाए, ताकि किसी भी भारतीय को अपनी नागरिकता साबित करने के प्रश्न पर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पहचान और नागरिकता एक जैसी नहीं हैं। आधार कार्ड आपकी पहचान और निवास का प्रमाण है। वोटर आईडी मतदान के अधिकार का प्रमाण है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान है। ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति देता है। पासपोर्ट विदेश यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान का दस्तावेज है। लेकिन इनमें से कोई भी दस्तावेज अकेले नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता।

आखिर नागरिकता कैसे तय होती है? भारत में नागरिकता का आधार नागरिकता अधिनियम, 1955 है। इस कानून के अनुसार नागरिकता प्राप्त करने के प्रमुख आधार हैं–जन्म के आधार पर, वंश के आधार पर, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा, किसी क्षेत्र के भारत में विलय के आधार पर। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर प्रश्न उठता है तो संबंधित प्राधिकारी उपलब्ध दस्तावेजों, जन्म संबंधी अभिलेखों, माता-पिता की नागरिकता, सरकारी रिकॉर्ड तथा अन्य कानूनी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करता है। कोई एक दस्तावेज हर परिस्थिति में निर्णायक नहीं होता।

हाल के वर्षों में जन्म प्रमाण पत्र को सबसे महत्वपूर्ण आधार दस्तावेजों में माना जाने लगा है, क्योंकि इससे जन्म तिथि और जन्म स्थान दोनों का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। लेकिन जिन लोगों का जन्म दशकों पहले हुआ और जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए स्कूल प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख, पारिवारिक रिकॉर्ड, सरकारी सेवा अभिलेख तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज भी परिस्थितियों के अनुसार महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष ने प्रश्न उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो आम नागरिक किस दस्तावेज पर भरोसा करे। दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क है कि दुनिया के अनेक देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता निर्धारण का एकमात्र कानूनी आधार नहीं होता और विवाद की स्थिति में मूल नागरिकता रिकॉर्ड ही निर्णायक होते हैं। यह बहस संसद से लेकर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों तक फैल चुकी है।

इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि भारत में आज तक ऐसा कोई एकल राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाण-पत्र नहीं है जिसे हर स्थिति में अंतिम माना जाए। परिणामस्वरूप लोग आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को ही नागरिकता का प्रमाण समझ लेते हैं, जबकि कानून की दृष्टि से इनकी भूमिका अलग-अलग है।

लोकतंत्र में केवल कानून होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका स्पष्ट और सरल संप्रेषण भी आवश्यक है। यदि नागरिकों में यह भ्रम बना रहे कि कौन-सा दस्तावेज वैध है और कौन-सा नहीं, तो इससे अनावश्यक भय और अफवाहें फैल सकती हैं।

सरकार को चाहिए कि नागरिकता प्रमाणन संबंधी एक स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करे, जिसमें बताया जाए कि विभिन्न परिस्थितियों में कौन-कौन से दस्तावेज स्वीकार्य होंगे। इससे प्रशासनिक विवाद भी कम होंगे और नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

हर नागरिक को अपने जन्म, शिक्षा, परिवार और संपत्ति से जुड़े मूल सरकारी दस्तावेज सुरक्षित रखने चाहिए। दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और समय-समय पर उनका अद्यतन कराना भी आवश्यक है। भविष्य में किसी भी कानूनी प्रक्रिया के दौरान यही रिकॉर्ड सबसे अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं।

नागरिकता केवल एक कानूनी स्थिति नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्यों का आधार है। इसलिए इस विषय पर राजनीति से अधिक स्पष्टता और पारदर्शिता की आवश्यकता है। नागरिकों को भ्रमित करने के बजाय सरकार को एक सरल, एकीकृत और पारदर्शी नागरिकता प्रमाणन व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

अब केंद्र सरकार को सोचना चाहिए कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध है जिसे नागरिक प्रस्तुत कर अपनी नागरिकता सिद्ध कर सके। इस सबका एक ही निराकरण है कि केंद्र सरकार को सर्वप्रथम एक पत्रकार वार्ता आयोजित कर इस नागरिकता पर स्पष्टता करनी चाहिए। ताकि देश में इसको लेकर किसी के मन में भ्रम न हो।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

बड़ा मिशन लेकर सेशेल्स जा रहे हैं मोदी, हिंद महासागर में भारत का मास्टरस्ट्रोक देखेगी दुनिया

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 से 29 जून तक होने वाली सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक सक्रियता और वैश्विक भूमिका को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में मोदी की भागीदारी यह संकेत देती है कि भारत अब हिंद महासागर में अपने मित्र देशों के साथ सुरक्षा, विकास और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसी कारण अमेरिका, चीन और यूरोपीय शक्तियां भी इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में भारत का सेशेल्स के साथ संबंध मजबूत करना हिंद महासागर में शक्ति संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण भारत द्वारा सेशेल्स तटरक्षक बल को एक तीव्र गश्ती पोत सौंपना है। इससे पहले भारत दो डोर्नियर विमान, कई गश्ती नौकाएं तथा तटीय निगरानी राडार प्रणाली भी सेशेल्स को प्रदान कर चुका है। भारतीय रक्षा कर्मियों की तैनाती और संयुक्त सैन्य अभ्यासों ने दोनों देशों के रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी है। समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सेशेल्स भारत पर भरोसा करता है। यही कारण है कि यह यात्रा हिंद महासागर में सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

हम आपको बता दें कि भारत की महासागर दृष्टि के अंतर्गत सेशेल्स को विशेष स्थान प्राप्त है। भारत अब केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभा रहा है। सेशेल्स का कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में पूर्ण सदस्य बनने का संकेत भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस समूह में भारत, मालदीव, मॉरीशस और श्रीलंका पहले से शामिल हैं। यदि सेशेल्स भी पूर्ण सदस्य बनता है, तो हिंद महासागर में भारत के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना और मजबूत होगी।

हम आपको बता दें कि मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हरमिनी के बीच होने वाली वार्ता में रक्षा सहयोग के साथ ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल शासन, समुद्री निगरानी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। फरवरी 2026 में भारत ने सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें ऋण सहायता और अनुदान दोनों शामिल हैं। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, सौर ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह दर्शाता है कि भारत केवल सामरिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकास साझेदारी के माध्यम से भी अपने मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध बना रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत और सेशेल्स के संबंध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरे हैं। वर्ष 1770 में भारतीयों का पहला समूह वहां पहुंचा था। आज लगभग 15 हजार भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का बड़ा हिस्सा हैं। गुजराती और तमिल समुदाय व्यापार, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद दोनों देशों के सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

यह यात्रा वैश्विक राजनीति के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है। चीन की समुद्री परियोजनाएं, बंदरगाह निवेश और सामरिक उपस्थिति भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में सेशेल्स जैसे देशों के साथ भारत का गहरा सहयोग यह स्पष्ट संदेश देता है कि हिंद महासागर में भारत अपनी पारंपरिक भूमिका को और सशक्त बना रहा है। भारत की नीति अब केवल ह्यपड़ोसी प्रथमह्ण तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ह्यग्लोबल साउथह्ण के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभरना चाहता है। सेशेल्स यात्रा इसी व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा है।

इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा के विशेष अधिवेशन को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। यह दोनों देशों के राजनीतिक विश्वास और घनिष्ठता का प्रतीक माना जा रहा है। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों और रक्षा दल की भागीदारी भी यह दिखाती है कि दोनों देशों के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर में भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति, समुद्री सुरक्षा नीति और वैश्विक प्रभाव का महत्वपूर्ण संकेत है। यह यात्रा भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना के केंद्र में स्थापित करने के साथ-साथ चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन बनाने में भी सहायक होगी। विकास सहायता, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक संबंध और समुद्री साझेदारी के माध्यम से भारत यह संदेश दे रहा है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और साझा समृद्धि का सबसे भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है।
~~~~~~~~~

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

● मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.

● फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

एआई के बढ़ते दबाव का असर, एप्पल ने मैकबुक और आईपैड की कीमतें बढ़ाई

मेमोरी-स्टोरेज लागत में भारी वृद्धि बताई वजह

मुंबई ।

एप्पल ने अपने कई मैकबुक और आईपैड मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की। कंपनी ने इसके लिए मेमोरी और स्टोरेज कंपोनेंट्स की लागत में भारी बढ़ोतरी को जिम्मेदार ठहराया है, जिसका मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा सेंटर्स की बढ़ती मांग है। नई कीमतों के तहत, मैकबुक एयर 512जीबी 1,099 डॉलर के बजाय 1,299 डालेगा, जबकि आईपैड प्रो वाई-फाई 256जीबी की कीमत 999 से बढ़कर 1,199 हो गई है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने इस स्थिति को सौ साल में एक बार आने वाली बाढ़ जैसी बताया और कहा कि कंपनी अब ग्राहकों को बढ़ती लागत के असर से पूरी तरह बचा नहीं सकती। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, पिछले तीन तिमाहियों में मेमोरी और स्टोरेज की कीमतें लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह मूल्य वृद्धि सिर्फ मैकबुक और आईपैड तक सीमित नहीं रहेगी। काउंटरपॉइंट रिसर्च के तरुण पाठक का मानना है कि आईफोन की उत्पादन लागत भी करीब 200 डॉलर तक बढ़ सकती है, जिससे आगामी मॉडल्स में 150 से 200 डॉलर तक की बढ़ोतरी संभव है। आईडीसी का कहना है कि भविष्य के आईफोन मॉडल्स को एआई फीचर्स के लिए 12जीबी रेम की आवश्यकता होगी, और एप्पल इन बढ़ी हुई कीमतों को बेहतर हार्डवेयर व एआई क्षमताओं से जोड़कर पेश करेगा।

सरकारी बॉन्ड पर टैक्स राहत, भारत में आया 3 अरब डॉलर का नया विदेशी निवेश

नई नीति और मजबूत अर्थव्यवस्था से 65 अरब डॉलर अतिरिक्त पूंजी आने की उम्मीद

मुंबई ।

भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। सरकार द्वारा सरकारी बॉन्ड (जी-सेक) में निवेश करने वाले एफपीआई को टैक्स में बड़ी राहत दिए जाने के बाद देश में विदेशी निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्या कांति घोष ने बताया कि जी-सेक पर टैक्स नियमों में बदलाव के बाद भारत में करीब 3 अरब डॉलर का एफपीआई निवेश आया है। पहले विदेशी निवेशकों को जी-सेक बेचने पर 12.5 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स और ब्याज से होने वाली आय पर 20 फीसदी विथहोल्डिंग टैक्स देना पड़ता था। इन टैक्सों को हटाए जाने से भारतीय सरकारी बॉन्ड अब उनके लिए अधिक आकर्षक हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल शुरुआत है। सरकार की मजबूत आर्थिक नीतियों और अनुकूल माहौल के चलते आने वाले समय में एफसीएनआर (बी) और ईसीबी जैसे माध्यमों से भारत में करीब 65 अरब डॉलर तक अतिरिक्त विदेशी पूंजी आ सकती है। इस निवेश से बैंकिंग सिस्टम को मजबूती मिलेगी, रुपये पर दबाव कम होगा और देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत एक स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनकर उभरा है।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी 8 फीसदी से ज्यादा टूटा, सर्किट ब्रेकर लगा

अमेरिकी टेक शेयरों में कमजोरी से निवेशकों ने की मुनाफावसूली

मुंबई ।

मुहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को जहां भारतीय शेयर बाजार बंद रहे, वहीं दक्षिण कोरियाई बाजार में भारी बिकवाली देखी गई। तेज गिरावट के चलते कोस्पी इंडेक्स 8 फीसदी से अधिक लुढ़क गया, जिसके बाद सर्किट ब्रेकर लागू कर लगभग 20 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। यह इस सप्ताह दूसरी बार है जब बाजार में सर्किट ब्रेकर लगा है और अब यह तीन महीने में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट की ओर बढ़ रहा है। बाजार में यह गिरावट अमेरिकी टेक शेयरों में गुरुवार को आई कमजोरी के बाद निवेशकों द्वारा की गई मुनाफावसूली का नतीजा है। इसका सबसे ज्यादा असर चिप बनाने वाली कंपनियों पर पड़ा। कोस्पी की प्रमुख कंपनियों में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 8.02 फीसदी और एक और बड़ी चिपमेकर एसके हाइनिक्स में 8.94 फीसदी की तेज गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह बैटरी बनाने वाली एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के शेयर 5.11 फीसदी गिरे, जबकि हुंडई मोटर में 4.77 फीसदी, किया कॉर्प में 4.30 फीसदी और पोस्को होल्डिंग्स में 5.73 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

ईवी कारें हो सकती है महंगी, रीसाइक्लिंग नियमों पर सायम ने जताई चिंता

संगठन ने कहा- 3 से 5 फीसदी तक बढ़ सकती हैं कीमतें, बिक्री पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम (सायम) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को आगाह किया है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित बैटरी रीसाइक्लिंग लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों में 3 से 5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकते हैं।

संगठन का मानना है कि इन सख्त नियमों से देश में ईवी की बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

सायम ने पिछले साल नवंबर में सीपीसीबी को भेजे पत्र और हाल ही में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक में अपनी चिंताएं रखीं।

उनका कहना है कि मौजूदा नियमों को मानने से औसतन 35-40 किलोवॉट घंटे वाली इलेक्ट्रिक कार बैटरी की लागत में 8,000 से 25,000 रुपये तक की वृद्धि हो सकती है, जिसमें बैटरी संग्रह, भंडारण और हैंडलिंग का खर्च अलग से होगा।

सायम का मुख्य तर्क यह है कि बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत वाहन विनिर्माताओं को 8 साल के उपयोग के बाद 70 फीसदी बैटरियां (जो अंततः 82 फीसदी तक बढ़ेंगी) एकत्र करनी होंगी।

जबकि लीथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरियों की उम्र काफी लंबी होती है।

संगठन ने सीपीसीबी से नियमों को आसान बनाने की अपील की है, क्योंकि मौजूदा धातु-विशिष्ट रिकवरी लक्ष्य रीसाइक्लिंग के दौरान होने वाले नुकसान और बैटरी घटकों के अंतर को ठीक से ध्यान में नहीं रखते, जिससे उत्पादकों पर अनुचित बोझ पड़ सकता है। यह नियम विस्तारित उत्पादक दायित्व ढांचे का हिस्सा हैं।

हुंडई की दो सालों में पांच नई गाड़ियां लॉन्च करने की योजना

नई दिल्ली ।

वाहन निर्माता कंपनी हुंडई भारतीय बाजार में अपनी दूसरी पोजीशन को बनाए रखने बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी अगले दो सालों में पांच नई गाड़ियां लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिनमें नई क्रेटा से लेकर 7-सीटर एसयूवी तक शामिल हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी है, जिसकी टेस्टिंग भारत और दक्षिण कोरिया में चल रही है। यह नए के3 प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसमें पूरी तरह से नया डिजाइन, बड़ी टचस्क्रीन और एक मजबूत हाइब्रिड वर्जन मिलने की उम्मीद है, जो 2027 की शुरुआत में आ सकती है। इसके बाद हुंडई बेयोन क्रॉसओवर एसयूवी आएगी, जिसे वेन्यू और क्रेटा के बीच पोजिशन किया जाएगा। यह आधुनिक डिजाइन, डुअल 12.3-इंच स्क्रीन और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड इंजन के साथ 2026 के अंत तक लॉन्च हो सकती है। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में, हुंडई एचई1आई (HEvi) इलेक्ट्रिक माइक्रो-एसयूवी लाने वाली है, जो टाटा पंच ईवी को टक्कर देगी। यह डेडिकेटेड ई-जीएमपी प्लेटफॉर्म पर बनेगी और 300 से 350 किमी की रेंज देने का दावा करेगी, जिसके 2026 में आने की संभावना है।

डॉलर के आगे फीकी पड़ी चमक, सोना 3 माह, चांदी 6 माह के निचले स्तर पर

5 हजार रुपए सस्ती हुई चांदी, सोने के दामों में भी आई भारी गिरावट

नई दिल्ली ।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों के मुताबिक भारतीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

सोना तीन महीने के निचले स्तर पर आ गया है, जबकि चांदी छह महीने के निचले स्तर पर कारोबार कर रही है। घरेलू बाजार में 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 2,800 रुपए गिरकर 1,45,300 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया है, जो इसका तीन महीने का सबसे निचला स्तर है। वहीं, चांदी भी 5,000 की गिरावट के साथ 2,26,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जो इसका छह महीने का निचला स्तर है। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों द्वारा कीमती धातुओं के बजाय डॉलर को प्राथमिकता देने और लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की संभावना से इन पर दबाव बना है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने भी मजबूत डॉलर को गिरावट का मुख्य कारण बताया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर सोना 0.53 फीसदी गिरकर 3,978.06 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है, जो नवंबर 2025 के बाद पहली बार 4,000 रुपए के अहम स्तर से नीचे है। हाजिर चांदी भी 0.56 फीसदी गिरकर 57.10 रुपए प्रति औंस के छह महीने के निचले स्तर पर आ गई। निवेशक अब अमेरिका के नए आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं, जो भविष्य की ब्याज दरों पर असर डाल सकते हैं।

आरबीआई ने क्रेडिट डेरिवेटिव्स नियमों में ढील दी, कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को मिलेगी मजबूती

बैंकों और बड़ी कंपनियों को जोखिम प्रबंधन में मिलेगी अधिक सुविधा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश के कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को नई गति देने और वित्तीय संस्थानों को जोखिम प्रबंधन में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से क्रेडिट डेरिवेटिव्स के लिए नए नियम जारी किए हैं। सरकार के बजट में इस बाजार को बढ़ावा देने की घोषणा के बाद ऋब्बु का यह कदम कंपनियों के लिए फंड जुटाना आसान बनाने और वित्तीय बाजार में तरलता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। नए नियमों के तहत, भारतीय निवासी गैर-रिटेल उपयोगकर्ता, जैसे बैंक, वित्तीय संस्थान और बड़ी कंपनियां, अब क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप (सीडीएस) और टोटल रिटर्न स्वैप (टीआरएस) जैसे क्रेडिट डेरिवेटिव्स का इस्तेमाल किसी तय उद्देश्य के प्रतिबंध के बिना कर सकेंगे। यह उन्हें अपने क्रेडिट जोखिम का बेहतर प्रबंधन करने में मदद करेगा। हालांकि, अनिवासी निवेशकों को इन साधनों का उपयोग केवल हेजिंग यानी अपने निवेश को संभावित नुकसान से बचाने के लिए ही करने की अनुमति होगी, जबकि छोटे (रिटेल) निवेशकों के लिए मौजूदा सीमाएं जारी रहेंगी ताकि उन्हें अत्यधिक जोखिम से बचाया जा सके। आरबीआई ने क्रेडिट डेरिवेटिव सौदों के भुगतान के लिए भारतीय रुपये या विदेशी मुद्रा दोनों के उपयोग की अनुमति दी है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने ऋण (लोन) पर क्रेडिट डेरिवेटिव्स की अनुमति देने की मांग को अस्वीकार कर दिया है। ऋब्बु का मानना है कि ऐसा करने से बाजार में अनावश्यक जोखिम बढ़ सकता है, इसलिए फिलहाल इस तरह के लेनदेन को मंजूरी नहीं दी गई है, जो वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने में मदद करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नए नियमों से भारतीय कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को बड़ा लाभ मिलेगा। कंपनियां अपने क्रेडिट जोखिम को अधिक आसानी से प्रबंधित कर पाएंगी, जिससे बॉन्ड जारी करना सरल होगा और फंड जुटाने की लागत भी कम होगी। यह बाजार में तरलता बढ़ाएगा और निवेशकों को नए विकल्प प्रदान करेगा।

बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए भी यह कदम उनकी बैलेंस शीट को मजबूत करने और पूरे वित्तीय तंत्र की स्थिरता बढ़ाएगा। यह भारत के क्रेडिट डेरिवेटिव्स बाजार को वैश्विक मानकों के करीब लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तकनीकी अपग्रेड के कारण ईपीएफओ पोर्टल 3 दिन रहेगा बंद

26 से 28 जून तक ऑनलाइन क्लेम जमा नहीं होंगे

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने करोड़ों सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। 26 जून 2026 की रात 12 बजे से 28 जून 2026 की रात 11:59 बजे तक उसका ऑनलाइन क्लेम प्रोसेसिंग पोर्टल बंद रहेगा। यह अस्थायी बंदी सिस्टम में तकनीकी सुधार और सॉफ्टवेयर अपग्रेड के लिए की जा रही है, जिससे सदस्य क्क्ल से संबंधित ऑनलाइन सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। ईपीएफओ ने बताया है कि यह कदम क बड़े तकनीकी सुधार, डेटाबेस कंसोलिडेशन और सॉफ्टवेयर अपग्रेड का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भविष्य में यूजर्स को तेज, सुरक्षित और बेहतर डिजिटल सेवाएं देना है।

पोर्टल बंद रहने के कारण, पीएफ निकालने या ट्रांसफर करने सहित कोई भी नया क्लेम जमा नहीं किया जा सकेगा, और न ही पहले से जमा किए गए क्लेम की प्रोसेसिंग होगी। पोर्टल की सभी सेवाएं 29 जून 2026 की रात 12 बजे से सामान्य रूप से शुरू हो जाएंगी। सदस्यों को सलाह दी गई है कि वे अपने जरूरी काम पहले ही निपटा लें या कुछ समय इंतजार करें। ईपीएफओ ने असुविधा के लिए खेद जताया है और सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 14470 भी जारी किया है। यह बदलाव लंबे समय में बेहतर और भरोसेमंद सेवाएं देने के लिए जरूरी है।

एआई से उपजे साइबर खतरों से निपटने सरकार बनाएगी एकीकृत कमांड सेंटर

इलेक्ट्रॉनिकी मंत्रालय के अधीन करेगा काम, केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय पर जोर

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एंथ्रोपिक के क्लॉड मिथोस जैसे मॉडलों से उत्पन्न साइबर सुरक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए भारत सरकार एक सशक्त और एकीकृत कमांड सेंटर स्थापित करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि यह कदम एआई से जुड़े नए खतरों के प्रति देश की नीतिगत प्रतिक्रिया को मजबूत करेगा। यह नई संस्था इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन काम करेगी। इसका मुख्य कार्य एआई खतरों पर नीतिगत प्रतिक्रिया और केंद्र व राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना होगा। अधिकारियों के अनुसार, सरकार को एकीकृत कमांड सेंटर की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि फ्रंटियर एआई से उत्पन्न खतरों पर प्रतिक्रिया देने का समय बहुत कम होगा और जोखिम तेजी से बढ़ेंगे। सरकार का मानना है कि इन नए मॉडलों से निपटने के लिए एक एकीकृत नीति प्रतिक्रिया आवश्यक है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस नए संगठन में सरकार, शिक्षाविद और नई एआई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आईटी मंत्रालय के नए एआई कानून से इस केंद्र को अधिकार मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, सरकार उन कुछ कंपनियों से भी संपर्क कर रही है जिनके पास क्लॉड सुरक्षा पहुंच है, ताकि वे अपने नतीजों को उद्योग के साथ साझा करें।

ईपीएफओ से लेकर क्रेडिट कार्ड तक..5 दिन बाद बदल जाएंगे कई नियम

मुंबई ।

2026 की शुरुआत के साथ ही कई वित्तीय बदलाव होने जा रहे हैं। जिनका असर नौकरीपेशा लोगों, टैक्सपेयर्स, पेंशनर्स और क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों पर पड़ेगा। इनमें आईटीओआर फाइलिंग की डेडलाइन, ईपीएफओ की यूपीआई से पीएफ निकासी, महंगाई भत्ता और क्रेडिट कार्ड के नए नियम शामिल हैं। जुलाई में ईपीएफओ 3.0 प्लेटफॉर्म लॉन्च होने की उम्मीद है। इसका मकसद ईपीएफओ की डिजिटल सेवाओं को पहले से ज्यादा आसान बनाना है। नए सिस्टम के तहत ईपीएफ खाताधारकों को यूपीआई के जरिए तुरंत पीएफ निकालने की सुविधा मिल सकती है। अगर ऐसा होता है, तो पीएफ निकालने की प्रक्रिया पहले के मुकाबले काफी तेज और आसान हो जाएगी।हर साल जनवरी और जुलाई में केंद्र सरकार महंगाई भत्ते की समीक्षा करती है। ऐसे में जुलाई 2026 में भी केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को डीए बढ़ोतरी की घोषणा का इंतजार रहेगा। अगर सरकार बढ़ोतरी करती है, तो लाखों कर्मचारियों और पेंशनर्स को इसका लाभ मिलेगा।

नागपुर मेट्रो विस्तार को मंजूरी कान्हान तक पहुंचेगी मेट्रो, 310 करोड़ का होगा खर्च

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की उपसमिति ने 1.4 किमी के एलिवेटेड कॉरिडोर को दी हरी झंडी

मुंबई ।

नागपुर मेट्रो के दूसरे चरण के उत्तरी गलियारे को कान्हान टाउन तक विस्तारित करने के प्रस्ताव को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की अवसंरचना संबंधी उपसमिति ने मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में स्वीकृत इस 1.4 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर की अनुमानित लागत 310.35 करोड़ रुपये है, जो क्षेत्र में कनेक्टिविटी को मजबूती देगा। महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (महा-मेट्रो) द्वारा तैयार इस परियोजना में कान्हान टाउन में एक नया एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। यह विस्तार न केवल कान्हान के लगभग 35,000 निवासियों और प्रतिदिन नागपुर आवागमन करने वाले हजारों लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि रामटेक, टेकड़ी, कांद्री माइंस, नगरधन, गोंडेगांव माइंस और मौदा सुपर थर्मल पावर परियोजना जैसे दूरदराज के क्षेत्रों को भी बेहतर संपर्क सुविधा प्रदान करेगा।

इससे अंततः प्रतिदिन लगभग 20,000 अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिलने का अनुमान है। परियोजना के वित्तपोषण में केंद्र और महाराष्ट्र सरकार 39.88-39.88 करोड़ रुपये की इक्विटी हिस्सेदारी के साथ ब्याज मुक्त अधीनस्थ ऋण भी देंगी। शेष 155.18 करोड़ रुपये रियायती दर पर उपलब्ध बहुपक्षीय ऋण से जुटाए जाएंगे।

पीएनजी उपभोक्ता अब 30 दिन में सरेंडर करेंगे एलपीजी कनेक्शन

एक घर-एक गैस कनेक्शन नीति के तहत डुप्लीकेसी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच एलपीजी आपूर्ति पर असर की आशंका के बीच केंद्र सरकार ने गैस वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन है, उन्हें अब 30 दिनों के भीतर अपना एलपीजी (एलपीजी) कनेक्शन सरेंडर करना अनिवार्य होगा। सरकार का मानना है कि इस नियम से गैस वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी, डुप्लीकेट कनेक्शनों पर रोक लगेगी और जरूरतमंद परिवारों तक एलपीजी की पहुंच बेहतर हो सकेगी। इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस सहित सभी प्रमुख घरेलू एलपीजी कनेक्शनों पर यह नियम लागू होगा। निर्धारित अवधि के बाद ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी रिफिल या संबंधित सुविधाएं मिलने में परेशानी आ सकती है। सरकार की प्राथमिकता वन हाउसहोल्ड, वन गैस कनेक्शन (एक परिवार, एक गैस कनेक्शन) को बढ़ावा देना है। अधिकारियों का कहना है कि कई शहरी क्षेत्रों में पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद लोग एलपीजी कनेक्शन बनाए रखते हैं, जिससे गैस वितरण पर अनावश्यक दबाव पड़ता है और सब्सिडी का दुरुपयोग होता है। नए नियम उन इलाकों में एलपीजी की सप्लाई बेहतर करेगा जहां अभी पीएनजी नेटवर्क नहीं पहुंचा है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यदि कोई परिवार ऐसे क्षेत्र में स्थानांतरित होता है जहां पीएनजी उपलब्ध नहीं है, तो वे ट्रांसफर वाउचर के जरिए आसानी से एलपीजी कनेक्शन दोबारा हासिल कर सकते हैं।

सरकार पहले से ही ओटीपी आधारित डिलीवरी और ई-केवाईसी जैसे कदम उठा रही है ताकि फर्जी कनेक्शनों पर रोक लगे और लाभार्थियों को सही लाभ मिल सके।

अमेरिकी महंगाई से बिटकॉइन 60,000 डॉलर के नीचे लुढ़का

– मई की उम्मीद से ज्यादा महंगाई ने फेड रेट बढ़ाने की आशंकाएं बढ़ाई

मुंबई ।

26 जून को बिटकॉइन की कीमत 60,000 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गई, जिससे क्रिप्टो निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। मई के अमेरिकी मुद्रास्फीति आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की आशंकाओं को फिर से बल दिया है। मई में अमेरिकी मुद्रास्फीति उम्मीद से कहीं ज़्यादा बढ़कर तीन साल में पहली बार 4त्र के पार गई। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को ऊंचा रखने या बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं, जिससे निवेशक बिटकॉइन और एथेरियम जैसी जोखिम भरी संपत्तियों से दूर हो रहे हैं। अब ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी हैं। पिछले 24 घंटों में बिटकॉइन 3 फीसदी गिरकर 59,000 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि आंकड़ों के तुरंत बाद यह 58,000 से नीचे चला गया था। बाजार विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को मौजूदा रुझानों पर बारीकी से नज़र रखनी चाहिए। डॉलर की मजबूती और सोने-चांदी में गिरावट भी इसी अनिश्चितता का परिणाम है। लंबी अवधि के लिए गिरावट में निवेश का अवसर हो सकता है, पर क्रिप्टो बाजार के उच्च जोखिम को देखते हुए अत्यधिक सावधानी ज़रूरी है।

शिवम की कहानी: ऐसी की वापसी और बन गए दो बार के विश्व चैंपियन

ओवरवेट होने के कारण छोड़ा था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा।

26 जून 1993 को मुंबई में जन्मे शिवम दुबे का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला है। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून था और उन्होंने कम उम्र में ही इस खेल को अपना लक्ष्य बना लिया था। हालांकि, 14 साल की उम्र में उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर लगभग विराम लगा दिया।

आर्थिक तंगी के कारण नियमित प्रशिक्षण और फिटनेस पर ध्यान देना मुश्किल हो गया। धीरे-धीरे उनका वजन काफी बढ़ गया और उन्हें क्रिकेट छोड़ना पड़ा। कई खिलाड़ियों के लिए ऐसी स्थिति करियर का अंत साबित होती है, लेकिन शिवम ने हार मानने के बजाय वापसी की तैयारी शुरू कर दी।

पांच साल बाद मैदान पर लौटे और बदल दी किस्मत

करीब पांच साल तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद शिवम दुबे ने जब वापसी की तो उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को साबित करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिटनेस हासिल की और मुंबई की अंडर-23 टीम में जगह बनाई।इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। जनवरी 2016 में उन्होंने मुंबई के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। 2017 में प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद उभरते ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया।

आईपीएल ने बदली जिंदगी

शिवम दुबे को आईपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौका दिया, लेकिन उनके करियर में असली बदलाव 2022 में आया, जब वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट मिली। मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने मैच फिनिश करने की कला विकसित की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीएसके के लिए उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। 2022 में 289 रन, 2023 में 418 रन, 2024 में 396 रन, 2025 में 357 रन और 2026 में 270 रन बनाकर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई। आईपीएल में वह अब तक 92 मैचों में 2129 रन और 10 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं।

रोहित शर्मा का भरोसा, सूर्यकुमार की टीम के भी बने हीरो

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद शिवम दुबे को भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने लगे। कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी ताकत को पहचाना और उन्हें मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाज की भूमिका सौंपी। शिवम ने इस भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाकर कई मैचों का रुख बदला। गेंदबाजी में भी जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण विकेट निकालकर टीम को संतुलन दिया। वह 2024 में रोहित शर्मा और 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे।

विश्व कप के बड़े मुकाबलों में निभाई अहम भूमिका

बड़े खिलाड़ियों की पहचान बड़े मैचों से होती है और शिवम दुबे ने यह कई बार साबित किया। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद 2026 विश्व कप के सेमीफाइनल में उन्होंने 25 गेंदों पर 43 रन की तेजतर्रार पारी खेली। फाइनल में भी उन्होंने महज आठ गेंदों पर 26 रन बनाकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। इन पारियों ने साबित किया कि दबाव वाले मुकाबलों में भी वह टीम के लिए मैच विनर बन सकते हैं।शिवम दुबे ने तीन नवंबर 2019 को भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 48 पारियों में 16 बार नाबाद रहते हुए 991 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 154.12 रहा है। इसके अलावा उन्होंने 31 विकेट भी अपने नाम किए हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने चार मैच खेलते हुए 43 रन बनाए हैं और एक विकेट भी लिया है।

महिला टी-20 विश्वकप

ब्रिट्स का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोटियाज टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी।

दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।

नीदरलैंड्स की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम को फेबे मोलकेनबोअर और सान्या खुराना ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। सान्या ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए। वहीं, फेबे ने 41 रनों का योगदान दिया। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरीं स्टेरे कालिस ने 26 रन बनाए, जबकि बैबेट डी लीडे 11 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

इसके बाद नीदरलैंड्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम मुश्किल से 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। नीदरलैंड्स की छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार करने में नाकाम रहीं। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं, क्लोई ट्रायोन ने चार ओवर के स्पेल में 16 रन देकर दो विकेट निकाले।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में एक विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 208 रन लगाए। टीम को कप्तान एल वोल्वार्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 13.3 ओवर में 121 रन जोड़े। वोल्वार्ट ने 36 गेंदों में छह चौकों की मदद से 45 रन बनाए।वहीं, ब्रिट्स ने लाजवाब बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। ब्रिट्स ने 69 गेंदों में 114 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 15 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, अंत के ओवरों में एनेरी डेर्कसेन ने महज 16 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। गेंदबाजी में नीदरलैंड्स की तरफ से एकमात्र विकेट हन्ना लैंडहीर ने चटकाया।

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि कहां है सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए।

मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटे, वे टीम के सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर कैच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है।

सेमीफाइनल के लिए हर हाल में चाहिए होगी जीत

भारतीय टीम को ग्रुप स्टेज के अपने अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन भारतीय टीम ऐसे मुकाबलों का इंतजार करती है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को भारत की पसंदीदा विपक्षी टीम बताया।हरमनप्रीत ने कहा, हम जानते हैं कि हर मैच जीतना जरूरी है, और कभी-कभी जब चीजें आपके हिसाब से नहीं होतीं, तो आपको अपना बेस्ट देना होता है। ऐसे में मेरे हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। अगर हम इस मैच को जीतने में सफल रहते हैं, तो इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली पिछली जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उस जीत ने खिलाड़ियों का भरोसा मजबूत किया और कई मानसिक बाधाएं भी दूर कीं।

जर्मनी को हरा इतिहास रच गया इक्वाडोर पूरे देश में जश्न, अवकाश घोषित किया

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 से एक बेहद चौंकाने वाली और ऐतिहासिक खबर सामने आ रही है। ग्रुप-ई के अपने आखिरी मुकाबले में अंडरडॉग मानी जा रही इक्वाडोर की टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को 2-1 से धूल चटा दी है। स्थानीय समयानुसार गुरुवार (25 जून) को न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर इक्वाडोर ने विश्व कप के नॉकआउट स्टेज में जगह पक्की कर ली है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने देश में राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा कर दी है।

इस महाविजय के बाद राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक और गर्व से भरी पोस्ट साझा की। उन्होंने टीम की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए खिलाड़ियों और मुख्य कोच सेबेस्टियन बेकासेसे का आभार जताया।

राष्ट्रपति नोबोआ ने लिखा 'खिलाड़ियों और कोच को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने तमाम आलोचनाओं, अपमान और कठिन दौर से गुजरने के बावजूद शानदार वापसी की और पूरे देश को यह असीम खुशी दी। कल (शुक्रवार) देश में छुट्टी रहेगी! इक्वाडोर अमर रहे। '

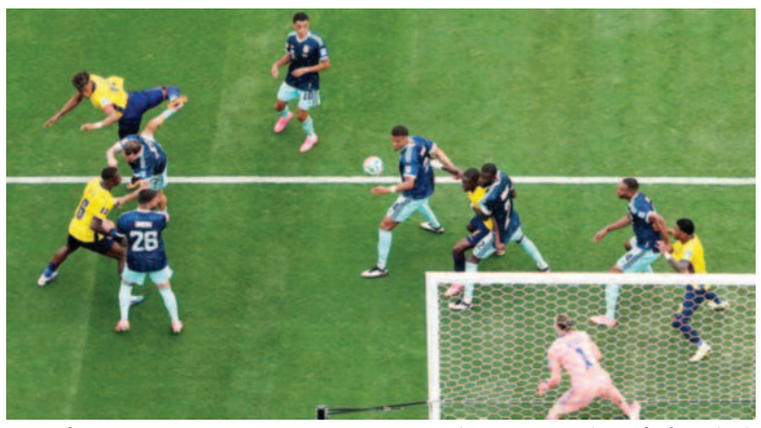

ऐसे पलटा मैच का पासा

इक्वाडोर के लिए यह राह आसान नहीं थी। टीम को अपने पहले मैच में आइवरी कोस्ट से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि कुराकाओ के खिलाफ दूसरा मैच गोलरहित ड्रा रहा था। वहीं दूसरी तरफ जर्मनी की टीम पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुकी थी और मैच में जीत की प्रबल दावेदार थी।

मैच की शुरुआत में जर्मनी ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। फ्लोरियन विर्ट्ज़ के पास पर लेरॉय साने ने मैच का पहला शॉट सीधे गोल पोस्ट के भीतर दागकर जर्मनी को शुरुआती बढ़त दिला दी। साने ने बड़ी ही आसानी से गेंद को इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज को छकाते हुए निचले बाएं कोने में डाल दिया। इस गोल के तुरंत बाद इक्वाडोर के खिलाड़ियों ने फाउल की अपील की। रीप्ले में भी यह देखा गया कि गोल से ठीक पहले जर्मनी के अलेक्सांद्र पाव्लोविच का पैर इक्वाडोर के मिडफील्डर प्रेडो विटे के सिर पर लगा था, लेकिन अंपायर ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

निल्सन एंगुलो का जादुई गोल

शुरुआती झटका लगने के बावजूद इक्वाडोर ने हिम्मत नहीं हारी। टीम ने पूरे दमखम और आक्रामकता के साथ वापसी की। मैच के 9वें मिनट में ही निल्सन एंगुलो ने मिडफील्ड से मिले एक ढीले पास को लपका और मैनुअल न्युएर जैसे दिग्गज गोलकीपर को छकाते हुए एक बेहद दमदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद पहले हाफ तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

मैच का सबसे निर्णायक क्षण 77वें मिनट में आया। दाएं छोर से मिले एक कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हवा में उछलकर गेंद को गोल पोस्ट की तरफ फ्लिक किया, जहां खड़े गोंजालो प्लाटा ने बिना कोई गलती किए फुर्ती से गेंद को नेट के अंदर धकेल दिया। इस गोल के होते ही स्टेडियम में मौजूद इक्वाडोर के फैंस और डगआउट में बैठे खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।

सांस रोक देने वाला रोमांच

2-1 की बढ़त लेने के बाद इक्वाडोर की टीम पूरी तरह से डिफेंसिव मोड में आ गई। मैच के अंतिम क्षणों और 7 मिनट के इंजरी टाइम में जर्मनी ने बराबरी का गोल दागने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन इक्वाडोर के डिफेंस ने चट्टान की तरह डटकर जर्मनी के हर वार को नाकाम कर दिया। आखिरकार, अंतिम सीटी बजने के साथ ही इक्वाडोर ने 2-1 से मैच अपने नाम कर लिया।

सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, अनिमेष-उन्नथी ने किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। 65वीं नेशनल सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुरुवार को कई भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2026 एशियन गेम्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की। प्रतियोगिता के दौरान सिंधुश्री ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि स्प्रिंटर्स अनिमेष कुजूर और उन्नथी बोल्लांडा ने एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मानक हासिल कर लिया।

महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में सिंधुश्री ने 4.25 मीटर की ऊंचाई पार कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने रोजी मीना पॉलराज के 4.21 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड अक्तूबर 2022 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन चैंपियनशिप के दौरान बनाया गया था। इसी स्पर्धा में बरानिका फ्लैंगोवन ने 4.20 मीटर की छलांग लगाकर एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया।पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने सेमीफाइनल में 20.87 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स का क्वालिफिकेशन मानक हासिल किया। इसके बाद फाइनल में उन्होंने 20.74 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में उन्नथी बोल्लांडा ने 23.658 सेकंड का समय निकालते हुए एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। वहीं हरिता ने 23.55 सेकंड का समय लेकर क्वालिफिकेशन मानक पार किया और जापान में होने वाले महाद्वीपीय खेलों का टिकट हासिल किया।

वापसी के लिए तैयार सेरेना विलियम्स, पहले दौर में जॉइंट से सामना; जोकोविच को मिली सातवीं वरीयता

सात बार की विंबलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी।

सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नए चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था।पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है। विंबलडन की वरीयताएं एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 3930

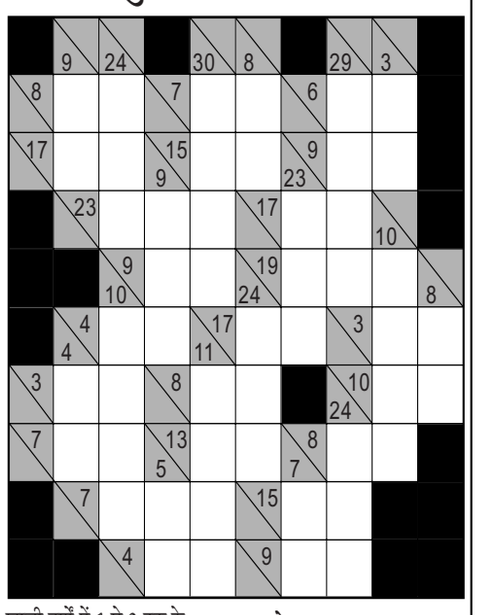

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

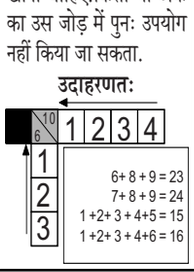

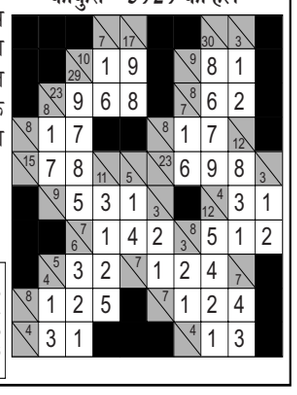

उदाहरणत:

काकुरो - 3929 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था, यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

□ □ □

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा - 'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

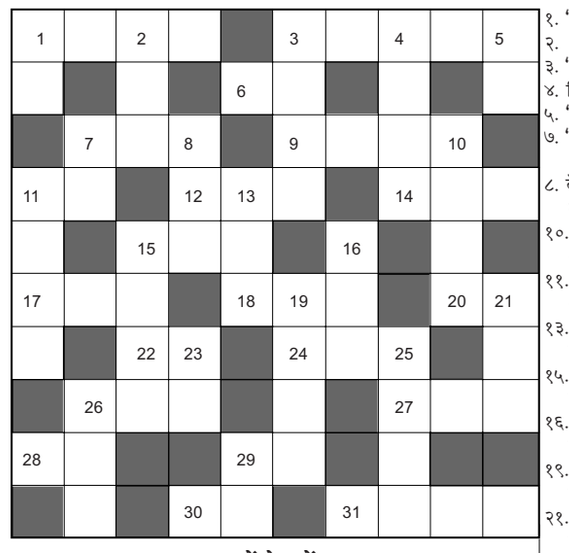

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3930

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3929

सूडोकु -3930

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3929 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3930

बाएँ से दाएँ

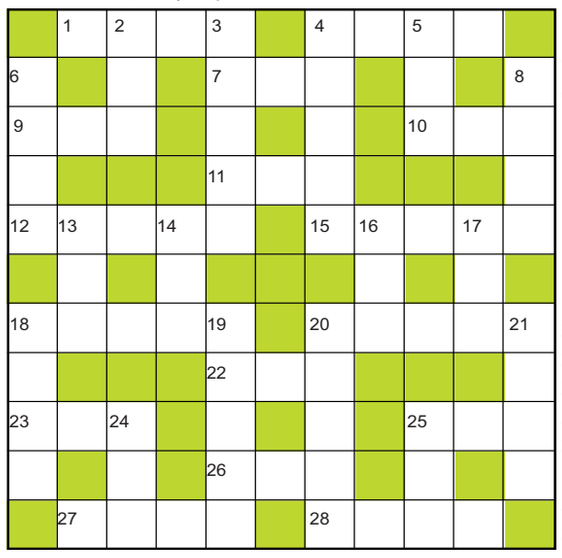

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -3929 का हल

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

'द आर्चीज' मेरे लिए फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की। बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'

फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'

वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए यह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'

वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।' बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

हॉरर फिल्म शैली में कदम रखने जा रही हैं जैकलीन फर्नांडीज

जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है ।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है ।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीजर और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है ।दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी ।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।

निर्देशक नेल्सन के साथ काम करना चाहते हैं सूर्या

सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म 'करुप्पू' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। सिनेमाघरों के बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर आ चुकी है, जहां इसे लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है। इस बीच, खबर है कि सूर्या अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह अपनी 50वीं फिल्म के लिए निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ काम करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सूर्या निर्देशक नेल्सन के साथ फिल्म 'सूर्या 50' में काम करने के इच्छुक हैं। बताया जा रहा है कि सूर्या की टीम ने इस कॉमेडी फिल्म में संभावित सहयोग के लिए निर्देशक से संपर्क भी किया है। हालांकि नेल्सन अभी रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में बिजी हैं। फिलहाल दोनों के सहयोग की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।' सूर्या की अगली फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' हैं। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस मामिता बैजू दिखाई आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सनी देओल की आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' और इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' के साथ होगी।

'ढिंढोरा 2' लेकर आएंगे भुवन बाम, शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का हिस्सा भी बनेंगे

यूट्यबर से एक्टर बने भुवन बाम की वेब सीरीज 'ढिंढोरा 2' जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसकी शूटिंग वह इन दिनों कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में एक नए किरदार की एंट्री भी होने वाली है। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' ने भुवन ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग का जिक्र किया। साथ ही समय रैना के शो में आने की बात भी कही।

सोशल मीडिया पर की घोषणा

भुवन बाम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शो 'ढिंढोरा 2' की घोषणा की। वह सीरीज के किरदार टीटू मामा के गेटअप में नजर आए। उनके साथ एक महिला किरदार भी खड़ी दिखीं। 'ढिंढोरा 2' में वह इस बार नए किरदार की एंट्री करेंगे। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में भी भुवन बाम ने फोन बताया कि वह 'ढिंढोरा 2' की शूटिंग कर रहे हैं। दरअसल, समय रैना ने एक प्रतियोगी की बात फोन पर भुवन बाम से करवाई थी, वह प्रतियोगी भुवन का बहुत बड़ा फैन था।

'ढिंढोरा 2' को भुवन ने ही लिखा है

'ढिंढोरा 2' को भुवन बाम, अब्बास दलाल, हुसैन दलाल, चेतन डांगे, गोपाल दत्त, शुभम दुबे और अनंत दुबे ने लिखा है। इसे रोहित राज और भुवन बाम ने प्रोड्यूस किया है। इस वेब सीरीज के पहले सीजन को फैंस ने खूब पसंद किया था। मल्टी टैलेंटेड हैं भुवन बाम भुवन बाम एक चर्चित कॉमेडियन, एक्टर, राइटर, सिंगर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने यूट्यूब पर भारत में ऑनलाइन स्केच कॉमेडी की शुरुआत की थी।

रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं नानी

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'धंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है।

स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी

नानी की टीम अभी स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं। खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

मां बनने के बाद जिंदगी बदल गई है

रुबीना दिलैक ने बताया कि मां बनने के बाद जिंदगी कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवा और ईधा जुड़वा बेटियों के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। उन्होंने बताया- मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे।

टेलिविजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को इंडस्ट्री में लंबा अरसा हो गया है, मगर बीते वक्त के साथ वे निखरती चली गई हैं। फिक्शन शोज हों या नॉन फिक्शन अथवा हों रियलिटी शोज, वे हर जगह चमकी हैं। दो जुड़वा बेटियों की मां रुबीना फैशन गोल्स ही नहीं बल्कि फैमिली गोल्स भी सेट करती नजर आती हैं। उनका मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, मगर असंभव नहीं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कभी बिकीनी तो कभी अपने सेक्सी कॉस्टयूम से रुबीना चर्चा में रहती हैं। खुद को कैसे मेंटेन कर पाती हैं? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, 'आपको अपने दिमाग और बॉडी को एक खास तरह की फिटनेस के साथ रखना ही पड़ता है, फिर इसके बाद खूबसूरत लगना बायप्रोडक्ट हो जाता है। मैं किसी खास शेप या फिगर के लिए ऐसा नहीं करती। मुझे अपनी एनर्जी हाइ चाहिए और मेरी परफॉर्मेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए, इसी वजह से मैं हेल्दी रहना पसंद करती हूं। इसके लिए मैं डिसिप्लिन में रहना पसंद करती हूं।'

शादी में लगा था बहुत हो गया, अब बस

रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला की शादी कई उतार-चढ़ाव से गुजरी। बिग बॉस 14 में जाने से पहले उनकी शादी तलाक के कगार तक पहुंच गई थी। रुबीना कहती हैं, 'हम अपनी शादी में ये जान चुके हैं कि बॉलिवुड से हमें आइडिया ऑफ लव बेचा गया है। मगर असलियत में वो वैसा नहीं है। प्यार हर रोज का कमिटमेंट है। जब आप सुबह उठते हैं और अपने पार्टनर की आंखों में देखते हैं, तो उनकी तमाम बुराइयों, कमियों और नकारात्मकता के बावजूद आप उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वही प्यार है। आपको लगातार रिश्तों पर काम करना पड़ता है। मगर यदि आप ये सोचते हैं कि ये मैं इसके साथ कहां फंस गई, तो फिर उस रिलेशनशिप से तुरंत निकल जाइए। हमारी शादी में अभिनव ने मेरे मामले में कभी हार नहीं मानी। हां मैं कह देती थी, आइ एम डन, बहुत हो गयाा, अब नहीं।' तब अभिनव कहते, 'शांत हो जाओ, थोड़ा सोच लो' अभिनव ने मुझे बहुत संभाला।' सभी जानते हैं कि रुबीना जीवा और ईधा जैसी दो जुड़वा बेटियों की मां हैं, मगर ट्विंस के पालन - पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। वे कहती हैं, 'बच्चों के पालन-पोषण में बहुत पेरेंट्स की पार्टनशिप बहुत जरूरी है और हम उसी तरीके से आगे बढ़ते हैं।'

वो कहते, मां बनने के बाद लीड रोल नहीं मिलेंगे

कई बार मदरहुड महिलाओं के लिए रुकावट भी बन जाता है। मगर क्या एंटरटेनमेंट की दुनिया में भीअभिनेत्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है? इस पर रुबीना कहती हैं, 'मैं आपको बताना चाहूंगी कि 60 से 65 प्रतिशत महिलाएं मां बनने के बाद काम रेज्यूम नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके पास सपोर्ट सिस्टम नहीं होता। हमने ऐसा कोई इकोसिस्टम भी नहीं बनाया, जहां नई मांएं अपने मदरहुड के साथ करियर भी आगे बढ़ा सकें। हमारी इंडस्ट्री की खासियत ये हैं कि हम काम पर रेज्यूम करना चुन सकते हैं। मगर हमारे काम करने का नेचर ऐसा बन गया है कि लोग आपको लेबल और जज करना शुरू कर देते हैं। जैसे 'मां बन गई है, उम्र दिखने लगी है', 'अलग सी दिखने लगी है', 'अब ये वाले रोल नहीं भाते' तो अब यहां आपको एक बहुत ही पॉजिटिव और एनर्जी वाले माइंडसेट के साथ काम करना है, तो साथ में सुंदर भी लगना है, तो एक अलग तरह का दबाव रहता है। मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे। डर और इन्सिक्योरिटी दोनों सताते है, मगर आपको उसी के बीच रास्ता तलाशना होता है। मां बनने के बाद मेरे हाथ से बहुत सारा काम और प्रॉजेक्ट्स गए हैं।'

ट्रम्प ने संसद से 8 लाख करोड़ की फंडिंग मांगी:बोले- ईरान जंग पर हुए खर्चों की भरपाई के लिए जरूरी, संसद इसके खिलाफ

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है। इसका बड़ा हिस्सा ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों के लिए रखा गया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह रकम पिछले साल मंजूर किए गए करीब 1 ट्रिलियन डॉलर और अगले वित्तीय वर्ष के लिए मांगे गए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट से अलग है। सरकार का कहना है कि यह पैसा युद्ध से जुड़े ऑपरेशन, सेना की तैयारी, हथियारों के भंडार को फिर से भरने और सीक्रेट रक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

वहीं, संसद में इस मांग का विरोध बढ़ रहा है। मंगलवार को सीनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर ट्रम्प से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने को कहा। इससे पहले ऐसा ही प्रस्ताव लोअर हाउस भी पास कर चुकी है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया।

मुस्लिम देशों में सिर्फ पाकिस्तान में सुधरी अमेरिका की छवि

अमेरिकी रिसर्च संस्था प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तान एकमात्र मुस्लिम-बहुल देश रहा जहां अमेरिका को लेकर लोगों की राय बेहतर हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने से पाकिस्तान में अमेरिका की छवि सुधरी। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तानियों को ट्रम्प पर भरोसा है। सर्वे में 82% पाकिस्तानियों ने कहा कि उन्हें ट्रम्प पर भरोसा नहीं है, जबकि सिर्फ 12% ने उन पर विश्वास जताया।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 76% पाकिस्तानी मानते हैं कि अमेरिका उनके देश के आंतरिक मामलों में दखल देता है। यानी अमेरिका को लेकर सकारात्मक सोच बढ़ी है, लेकिन उसके इरादों और नेतृत्व को लेकर संदेह अब भी कायम है।

रूबियो बोले- 29-30 जून को अमेरिका-ईरान वार्ता फिर होगी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत 29 या 30 जून को स्विट्जरलैंड में फिर शुरू हो सकती है। यह बातचीत दोनों देशों के बीच हाल में हुए संघर्षविराम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए हो रही है। रूबियो ने ईरान को चेतावनी भी दी और कहा कि अमेरिका की ओर से दी गई प्रतिबंधों में राहत अस्थायी है। अगर ईरान ने स्विट्जरलैंड वार्ता में किए गए वादे पूरे नहीं किए तो राष्ट्रपति ट्रम्प के पास प्रतिबंध फिर से लागू करने का विकल्प मौजूद है।

संक्षिप्त समाचार

सिर्फ एक पोस्ट और 7 साल की सजा, रूस में विपक्षी नेता पर बड़ी कार्रवाई

मास्को, एजेंसी। रूस में यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली प्रमुख विपक्षी पार्टी याब्लोको के उप नेता मैक्सिम क्रुग्लोव को बुधवार को रूसी सेना के बारे में 'झूठ फैलाने' के आरोप में दोषी ठहराया गया और सात साल की जेल की सजा सुनाई गई। 39 वर्षीय क्रुग्लोव (मॉस्को की नगर विधानसभा के पूर्व सदस्य) को अक्टूबर 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर 2022 में टेलीग्राम पर दो पोस्ट करने का आरोप था, जिस वर्ष रूस ने यूक्रेन पर सैन्य अभियान शुरू किया था। अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए क्रुग्लोव ने कहा कि यह फैसला स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि रूस में सार्वजनिक असहमति अब अवैध हो गई है। संक्षेप में कहा जाए तो यह असहमति पर प्रतिबंध है। उन्होंने अभियोजन पक्ष के इस दावे को खारिज कर दिया कि उनके पोस्ट राजनीतिक नफरत से प्रेरित थे। क्रुग्लोव ने कहा कि उनका पूरा राजनीतिक करियर रूस में लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि यह साबित हो गया है कि राजनीतिक असहमति को अब नफरत के समान माना जा रहा है। क्रुग्लोव ने अदालत में अंतिम बयान देते हुए कहा कि वे युद्ध के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि रूस एक दिन शांतिपूर्ण देश बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि एक ऐसा देश जिसका पड़ोसी सम्मान करें, न कि डरें, और जहां असहमति व्यक्त करना संभव हो। अदालत में पेश किए गए एक पोस्ट में यूक्रेन संघर्ष में हुई मौतों पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों का जिक्र था, जबकि दूसरे पोस्ट में मार्च 2022 में कीव के पास बुचा में हुई घटनाओं का उल्लेख किया गया था। यूक्रेन और पश्चिमी देशों का आरोप है कि वहां रूसी सैनिकों ने नागरिकों की हत्या की थी, जिसे मॉस्को 'मनगढ़ंत' बताता है। क्रेमलिन का कहना है कि पश्चिम के साथ 'टकराव' के दौरान रूस को एकजुट रखने के लिए सख्त सेंसरशिप कानून जरूरी हैं। याब्लोको पार्टी के नेता निकोलाई रयबाकोव ने फैसले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अन्यायपूर्ण बताया। अदालत के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर लोगों को लगता है कि ऐसी सजाएं स्वीकार्य और सामान्य हैं, तो उन्हें वोट देने या याब्लोको के अलावा किसी अन्य पार्टी का समर्थन करने की जहमत नहीं उठानी चाहिए। रयबाकोव ने आगे कहा कि हमारे पास अभी सिर्फ एक विकल्प है- याब्लोको को वोट देकर जो हो रहा है उसे 'ना' कहना, या किसी अन्य पार्टी को वोट देकर 'जो हो रहा है, उसे जारी रखो' कहना। इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

स्नैपचैट पर मुकदमा, बच्ची से दुष्कर्म के मामले में परिवार ने कंपनी को ठहराया जिम्मेदार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसूरी राज्य में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बच्ची के माता-पिता ने सोशल मीडिया कंपनी 'स्नैप' और एक अपराधी के खिलाफ कोर्ट में केस किया है। यह मामला 12 साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म से जुड़ा है। बच्ची की मुलाकात इस अपराधी से स्नैपचैट एप पर हुई थी। मुकदमे में कहा गया है कि स्नैपचैट ने अपने एप के खतरनाक फीचर्स को बंद करने से मना कर दिया है। कंपनी ने माता-पिता को उन खतरों के बारे में भी चेतावनी नहीं दी, जो इस एप के इस्तेमाल से बच्चों को हो सकते हैं।

साल 2021 में जब बच्ची 11 साल की थी, तब उसने अपने माता-पिता को बताए बिना स्नैपचैट चलाना शुरू किया था। एप पर खाता खोलने के लिए उम्र कम से कम 13 साल होनी चाहिए। लेकिन बच्ची को याद नहीं कि उसने अपनी क्या उम्र भरी थी। मुकदमे के अनुसार, बच्चों को पता है कि वे उम्र की इस शर्त को आसानी से तोड़ सकते हैं। लगभग एक साल बाद, एप ने गैब्रियल जोएल वैलेन्टिन-रियोस नाम के एक आदमी को बच्ची का दोस्त बनने का सुझाव दिया। गैब्रियल एक वयस्क था और बच्ची से उसका कोई परिचय नहीं था। एप ने बच्ची को यह नहीं बताया कि अजनबियों से जुड़ना खतरनाक हो सकता है। दोस्ती होने के बाद, गैब्रियल ने बच्ची को गंदी तस्वीरें भेजना शुरू कर दिया। बच्ची यह सब नहीं चाहती थी, लेकिन स्नैपचैट की बनावट ऐसी थी कि उसके लिए इन चीजों से बचना नामुमकिन था।

किंग चार्ल्स ने तोड़ी शाही परंपरा, पहली बार अपना पर्सनल टैक्स बिल सार्वजनिक करेंगे

लंदन, एजेंसी। चार्ल्स ने पहले भी अपनी पर्सनल इनकम पर दिए गए टैक्स की जानकारी दी थी जब वह प्रिंस ऑफ़ वेल्स थे, लेकिन 2022 में महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के निधन के बाद राजा बनने के बाद यह पहली बार होगा जब वह ऐसा करेंगे। उम्मीद है कि मौजूदा प्रिंस ऑफ़ वेल्स, प्रिंस विलियम भी एक अलग ब्रीफिंग में इसी तरह का तरीका अपनाएंगे।

किंग चार्ल्स गुरुवार को अपने पर्सनल टैक्स बिल का खुलासा करने वाले पहले ब्रिटिश सम्राट बनेंगे। बकिंघम पैलेस 'सॉवरेन ग्रांट' पर अपनी सालाना ब्रीफिंग के दौरान इसकी जानकारी जारी करेगा। यह कदम शाही परिवार के कामकाज में ज़्यादा पारदर्शिता की बढ़ती मांगों के बीच उठाया जा रहा है, खासकर उनके छोटे भाई एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के मामलों की महीनों तक हुई जांच-पड़ताल के बाद। चार्ल्स ने पहले भी अपनी पर्सनल इनकम पर दिए गए टैक्स की जानकारी दी थी जब वह प्रिंस ऑफ़ वेल्स थे, लेकिन 2022 में महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के निधन के बाद राजा बनने के बाद यह पहली बार होगा जब वह ऐसा करेंगे। उम्मीद है कि मौजूदा प्रिंस ऑफ़ वेल्स, प्रिंस विलियम भी एक अलग ब्रीफिंग में इसी तरह का तरीका अपनाएंगे। सालाना ब्रीफ़िंग में 'सॉवरेन ग्रांट' (शाही अनुदान) के बारे में भी जानकारी दी

जाएगी, जिसके ज़रिए टैक्स देने वाले लोग राजशाही को फ़ंड देते हैं। पिछले साल बकिंघम पैलेस ने 159 पेज की एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि ट्रेज़री से मिले 8.63 करोड़ पाउंड (86.3 मिलियन पाउंड) कैसे खर्च किए गए, जिसमें महल की बड़ी मरम्मत पर खर्च हुआ पैसा भी शामिल था। यह नया कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सांसद और आम लोग राजशाही के कामकाज के बारे में ज़्यादा पारदर्शिता चाहते हैं, खासकर पूर्व प्रिंस एंड्रयू से जुड़े खुलासों के बाद, जिनसे 2025 में उनके शाही खिताब छीन लिए गए थे। अब एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के नाम से पहचाने जाने वाले एंड्रयू पर, दोषी सेक्स अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपनी दोस्ती से जुड़े सार्वजनिक पद पर रहते हुए गलत व्यवहार के लिए जांच चल रही है। उन्हें एक बड़ी शाही जागीर भी छोड़नी पड़ी है, जहाँ वे बिना किराया दिए रह रहे थे। बीबीसी के अनुसार, महल के सूत्रों का कहना है कि राजा ने 'बेहतर समझ और जवाबदेही को बढ़ावा देने' की कोशिश के तहत अपने टैक्स भुगतान का खुलासा करने का व्यक्तिगत निर्णय लिया। माउंटबेटन-विंडसर विवाद से पहले ही, चार्ल्स ने कहा था कि वे राजशाही को छोटा करना और खर्च कम करना चाहते हैं, क्योंकि आधुनिक लोकतंत्र में वंशानुगत शासक की भूमिका पर सवाल उठ रहे थे।

चार्ल्स की निजी संपत्ति का अनुमान 680 मिलियन पाउंड है, जिससे वे 'संडे टाइम्स' की ब्रिटेन के सबसे अमीर लोगों की सालाना लिस्ट में 230वें नंबर पर हैं। हालांकि राजा या रानी को इनकम टैक्स देने की ज़रूरत नहीं होती, फिर भी चार्ल्स अपनी निजी कमाई पर स्वेच्छा से टैक्स देते हैं। महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय ने 1993 में ऐसा करना शुरू किया था, जब उससे एक साल पहले लगी भीषण आग के बाद विंडसर कैसल की मरम्मत के खर्च को लेकर जनता में नाराज़गी थी। बाद में सरकार और क्राउन के बीच एक समझौते (मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) के ज़रिए इस व्यवस्था को औपचारिक रूप दिया गया, जिसके तहत चार्ल्स को भी किसी भी अन्य टैक्सपेयर की तरह ही प्राइवेसी का अधिकार मिलता है।

आर्थिक खुशहाली का सपना देखने वाले इस देश में आज प्रवासन, राष्ट्रीय पहचान का संकट और धुर-दक्षिणपंथ का उभार वहां की राजनीति के केंद्र में है, जिसने यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद ब्रिटेन के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। ठीक एक दशक पहले आज ही के दिन, ब्रिटेन के करीब 1.7 करोड़ (51.9%) लोगों ने दुनिया के सबसे बड़े एकल बाजार, यूरोपीय संघ से अलग होने यानी 'ब्रेक्सिट' के पक्ष में ऐतिहासिक वोट दिया था, जिसके बाद साल 2020 में व्यापार और सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के साथ यह कूटनीतिक तलाक मुकम्मल हो गया। उस वक्त ब्रेक्सिट के समर्थकों ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि यूरोपीय संघ से बाहर निकलते ही ब्रिटेन अपनी संप्रभुता वापस पा लेगा, प्रवासन पर काबू होगा, आर्थिक समृद्धि आएगी और जनकल्याणकारी सेवाओं में सुधार होगा; लेकिन एक दशक बाद आज का ब्रिटेन राजनीतिक अस्थिरता, सुस्त आर्थिक विकास और बेकाबू महंगाई की मार झेल रहा है। आर्थिक खुशहाली का सपना देखने वाले इस देश में आज प्रवासन, राष्ट्रीय पहचान का संकट और धुर-दक्षिणपंथ का उभार वहां की राजनीति के केंद्र में है, जिसने यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद ब्रिटेन के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। ब्रेक्जिट जनमत संग्रह से पहले का समय राजनीतिक स्थिरता और व्यवस्थित सत्ता हस्तांतरण का दौर था, भले ही उस दौरान 2008 के वित्तीय संकट जैसी चुनौतियां थीं। इसके बाद उथल-पुथल का दौर शुरू हुआ, जिसमें छह प्रधानमंत्रियों को अपना कार्यकाल पूरा किए बिना ही पद छोड़ना पड़ा। इस क्रम में सबसे ताज़ा नाम कीर स्टार्मर का है, जिन्होंने 2024 के संसदीय चुनाव में भारी बहुमत हासिल करने के बावजूद, घटती लोकप्रियता और पार्टी के दबाव के कारण ब्रेक्जिट की 10वीं वर्षगांठ से ठीक पहले इस्तीफ़ा दे दिया। हालांकि 21वीं सदी की शुरुआत से ही ब्रिटिश राजनीति में लोगों की नाराज़गी बढ़ रही थी। जैसे 2003 का इराक युद्ध, 2008 का आर्थिक संकट और 2009 का खर्च घोटाला। फिर भी कई लोगों ने ब्रेक्जिट को वंचित लोगों के लिए अपनी निराशा ज़ाहिर करने के एक दुर्लभ मौके के तौर पर देखा, जिससे ब्रिटिश राजनीतिक व्यवस्था में कोई बड़ी दरार न आए।

बिल गेट्स ने कुबूले 3 एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, एपस्टीन ने की ब्लैकमेल की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के मशहूर बिजनेसमैन और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने निजी जिंदगी को

लेकर बहुत बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने माना है कि शादी के बाद उनके तीन महिलाओं के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स थे। 10 जून को स हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने पेश होकर उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है। इस दौरान उन्होंने जेफरी एपस्टीन को लेकर भी कई अहम बातें बताईं।

बिल गेट्स ने बताया कि यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन उनके इन एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स के बारे में पहले से ही पूरी तरह जानता था। एपस्टीन ने इस अहम और निजी जानकारी का गलत फायदा उठाने की पूरी कोशिश की थी। वह इन अफेयर्स के जरिए बिल गेट्स को ब्लैकमेल करने की बहुत ही गहरी साजिश रच रहा था। हालांकि बिल गेट्स ने एपस्टीन के किसी भी जुर्म में शामिल होने से पूरी तरह से इनकार किया है। बिल गेट्स ने अपनी गवाही में बताया कि उनका एक रूसी ब्रिज खिलाड़ी मिला अंतोनोवा के साथ अफेयर चल रहा था। इसके अलावा न्यूक्लियर फिजिसिस्ट करीमा निगमातुलिना के साथ भी उनके एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर थे। तीसरी महिला मेडिकल इंडस्ट्रलिस्ट एलिस जैकब्स नेसेलरॉड थीं जिनके साथ भी उनके संबंध थे। गेट्स ने साफ कहा कि ये सारे अफेयर्स उनके परिवार के लिए बहुत ही ज्यादा दर्दनाक और कष्टकारी थे। बिल गेट्स ने खुलासा किया कि जेफरी एपस्टीन को उनके दो रूसी महिलाओं के साथ अफेयर्स की पूरी जानकारी मिल गई थी। एपस्टीन उनकी बेवफाई की इस अहम जानकारी का बहुत ही गलत इस्तेमाल करने की पूरी कोशिश कर रहा था। वह चाहता था कि गेट्स उसके साथ दोबारा जुड़ जाएं और इसीलिए वह झूठी बातें फैलाकर दबाव बना रहा था। गेट्स ने यह भी माना कि एपस्टीन के साथ संपर्क बनाए रखना उनकी एक बहुत बड़ी गलती थी। गेट्स ने बताया कि उनकी एपस्टीन से मुलाकात सिर्फ फिलांथ्रोपी यानी समाज सेवा के कामों पर चर्चा करने के लिए होती थी। उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि एपस्टीन एक दोषी ठहराया गया व्यक्ति है और यह बहुत बड़ा रिस्क है। लेकिन फिर भी उन्होंने एक सीमित भूमिका में उससे मिलने का वह जोखिम उठाया था। हाल ही में न्याय विभाग द्वारा जारी नए दस्तावेजों के बाद इस पुराने मामले की फिर से जांच शुरू हो गई है। कमेटी के सामने दिए गए बयान के अनुसार एपस्टीन ने गेट्स को सीधे तौर पर कभी ब्लैकमेल नहीं किया था। लेकिन उनके बीच हुए ईमेल्स को देखने से यह बहुत बड़ा खतरा पैदा होता है।

फ्रांस में इबोला ने दी दस्तक, कांगो से लौटे डॉक्टर में मिला संक्रमण

डब्ल्यूएचओ ने घोषित किया वैश्विक आपातकाल

पेरिस, एजेंसी। यूरोप में इबोला का पहला मामला जानलेवा इबोला वायरस ने अब यूरोप में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने देश में इबोला के पहले मामले की पुष्टि की है, जिससे पूरे महाद्वीप में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। यह मामला एक ऐसे डॉक्टर से जुड़ा है, जो हाल ही में कांगो में एक मानवीय मिशन पूरा करने के बाद फ्रांस लौटा था। संक्रमित पाए जाने के तुरंत बाद, डॉक्टर को एक विशेष आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

मरीज की हालत स्थिर: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति पेशे से डॉक्टर है और वह कुछ दिन पहले ही कांगो से लौटा था। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि फिलहाल मरीज की हालत स्थिर बनी हुई है।

राहत की बात यह है कि मंत्रालय ने आम जनता के लिए संक्रमण के खतरे को फिलहाल बहुत कम बताया है, क्योंकि मरीज को लक्षण दिखने के तुरंत बाद ही अलग-थलग कर दिया गया था।

इबोला के खतरनाक आंकड़े: इबोला वायरस वर्तमान में कांगो और युगांडा जैसे अफ्रीकी देशों में तेजी से फैल रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में अब तक इबोला से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 1,048 तक पहुंच गई है, जिनमें से 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस वायरस की मृत्यु दर लगभग 25.5 प्रतिशत है, जो इसे बेहद घातक बनाती है।

बुंदीबुग्यो स्ट्रेन ने बढ़ाई चिंता

सबसे बड़ी चुनौती इस बार इबोला का 'बुंदीबुग्यो' स्ट्रेन चिंता का मुख्य कारण बना हुआ है। यह इबोला वायरस का एक दुर्लभ और खतरनाक प्रकार है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस विशिष्ट स्ट्रेन के लिए फिलहाल कोई प्रमाणित वैक्सीन या पूरी तरह से प्रभावी इलाज उपलब्ध नहीं है। यह वायरस शरीर में तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, दस्त और गंभीर मामलों में आंतरिक रक्तस्राव का कारण बनता है।

डब्ल्यूएचओ ने जारी किया अलर्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसे 'अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली स्वास्थ्य आपात स्थिति' घोषित कर दिया है। इसके साथ ही, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने भी इसे महाद्वीपीय सुरक्षा के लिए खतरा माना है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों ने दुनिया भर के देशों को हवाई अड्डों और सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की सख्त सलाह दी है ताकि संक्रमित यात्रियों की समय पर पहचान की जा सके। दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों को वर्तमान में 'हाई रिस्क जोन' में रखा गया है।

पाकिस्तानी पति ने 10 साल तक फ्रांसीसी पत्नी को बनाया बंधक, बेटे ने कराया 'आजाद'

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक शख्स को अपनी फ्रांसीसी पत्नी और पांच बच्चों को 10 वर्ष से अधिक समय तक घर में कैद करके रखे हुए था। इस दौरान वह शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करता था। पुलिस ने आरोपी के बेटे की शिकायत पर गिरफ्तार कर लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 54 वर्षीय सिल्वी यास्मिना नामक फ्रांसीसी महिला ने पुलिस को बताया कि उनका पति बेहद हिंसक स्वभाव का है और पूरे परिवार को रोजाना शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित करता था।

मामला तब सामने आया जब यास्मिना के बेटों में से एक भाग निकलने में सफल हो गया और पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के

आधार पर पुलिस ने प्रांत के दूरस्थ इलाके बारा में स्थित घर पर छापेमारी की। वहां पुलिस को यास्मिना और उनके बच्चे एक तंग एवं बेहद जर्जर कमरे में कैद अवस्था में मिले। अधिकारियों ने बताया कि परिवार के सभी सदस्यों के शरीर पर चोट के निशान थे। पुलिस ने यास्मिना और उनके पांचों बच्चों को तुरंत पेशावर के एक महिला आश्रय गृह में भर्ती कराया है। परिवार अब फ्रांस लौटने की तैयारी कर रहा है। यास्मिना ने पुलिस को बताया कि 2014 में ऑस्ट्रेलिया से पाकिस्तान आने के बाद उनके पति ने पूरे परिवार को कैद कर लिया था। उन्हें किसी भी बाहरी व्यक्ति से मिलने की अनुमति नहीं थी। उनके दो बड़े बच्चे शिक्षा से वंचित रह गए, जबकि तीन छोटे बच्चे पाकिस्तान में पैदा हुए और वे कभी स्कूल नहीं जा सके। आगे यास्मिना ने बताया कि उनकी शादी 2003 में हुई थी। पाकिस्तान जाने से पहले वे ऑस्ट्रेलिया में दो बड़े बच्चों के साथ रह रहे थे। यास्मिना के अनुसार, पाकिस्तान पहुंचने के बाद परिवार का बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रहा।

हालांकि पुलिस ने पति की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन बताया गया है कि वह पाकिस्तानी नागरिक है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)